CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजर आर. मिश्रा

वर्ष-9 अंक: 298 ता. 07 मई 2021, शुक्रवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोरोना से जंग में बहरीन से आक्सीजन लेकर भारत पहुंचा नौसेना का पोत, दुनिया भर से भारत आ रही मदद

नई दिल्ली। कोरोना से कराह रहे भारत की मदद के लिए दुनिया भर से मदद के हाथ बढ़ रहे हैं। देश-दुनिया के कोने-कोने से मरीजों के लिए राहत सामग्री लाने के लिए नौसेना, वायुसेना, सेना और रेलवे युद्ध स्तर पर काम में जुटे हैं। नौसेना का एक युद्धपोत बहरीन से आक्सीजन लेकर भारत पहुंच गया। नौसेना के वाइस एडमिरल एमएस पवार ने बताया कि आक्सीजन लाने के लिए नौसेना ने आपरेशन समुद्र सेतु द्वितीय में अपने नौ पोत लगाए हैं। आइएनएस तलवार बहरीन से 54 टन आक्सीजन लेकर मंगलौर के बंदरगाह पहुंच गया। इसी तरह एक अन्य पोत आइएनएस ऐरावत सिंगापुर से 3,600 सिलेंडर, और 27 टन क्षमता के आठ आक्सीजन टैंक लेकर भारत के लिए रवाना हो चुका है। आइएनएस कोलकाता कुवैत से 27 टन क्षमता के दो आक्सीजन टैंक लेकर भारत के लिए चल चुका है।

वायुसेना भी मुस्तैद

भारतीय वायु सेना ने आइएल-76 परिवहन विमान सिंगापुर से 352 खाली आक्सीजन सिलेंडर लेकर भारत पहुंचाए। वायुसेना का ही एक विमान बैंकाक से तीन खाली क्रायोजेनिक टैंकर लेकर पानागढ़ एयर बेस पहुंचाने वाला है। वायुसेना ने बैंकाक और बेल्जियम से चार-चार क्रायोजेनिक टैंकर और लाने के लिए वायुसेना ने दो और विमान भेजे हैं।

- इंडिगो एयरलाइन ने पांच देशों चीन, थाइलैंड, कतर, हांगकांग और सिंगापुर से 717 आक्सीजन कंसंट्रेटर लाकर भारत पहुंचाए हैं।
- स्पाइसजेट ने बुधवार को 3,100 आक्सीजन कंसंट्रेटर बीजिंग से लाकर बुधवार रात दिल्ली पहुंचाए।
- इन्फास्ट्रक्चर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने देश के विभिन्न स्थानों पर 22 आक्सीजन जनरेटर पहुंचाने की घोषणा की है।

5 राज्यों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर कपिल सिब्बल ने जताई चिंता, बोले

पार्टी को अपने अंदर झांकना चाहिए

नई दिल्ली। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ दिनों के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने अपनी ही पार्टी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने अंदर झांकना चाहिए, क्योंकि बंगाल में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली और असम के साथ-साथ केरल में भी पार्टी विफल रही। सिब्बल ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, 'हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। यह असम और केरल में विफल रही। पार्टी पश्चिम बंगाल में एक भी सीट सुरक्षित नहीं कर सकी।' उन्होंने कहा, 'अब जब पार्टी की ओर से आवाज उठाई जा रही है, तो इस मामले पर गौर किया जाना चाहिए।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वह कांग्रेस के प्रदर्शन के मुद्दे पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और उचित समय पर इस मुद्दे पर बात करेंगे। उन्होंने कहा, ÷हम अपने विचार पेश करेंगे। आज सभी दलों के सभी लोगों को कोविड-19 के बीच लोगों के जीवन को बचाने के लिए मिलकर

● 'जब पीएम 2019 का लोकसभा चुनाव जीते थे, तो तो मैंने उन्हें बधाई दी थी। उन्हें झांसी की रानी नहीं कहा जा सकता था। वह गोलियाथ थे। हमें जीतने वाले नेताओं को बधाई देनी चाहिए। केंद्र ने जीत के लिए सब कुछ किया और चुनाव आयोग ने मदद की। इसके बावजूद, अगर ममता बनर्जी दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतती हैं तो तो उन्हें झांसी की रानी कहा जाना चाहिए।'

काम करना चाहिए। देश में कोविड-19 स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पीएम को यह कहना चाहिए कि हम महामारी के खिलाफ इस संघर्ष को जीतेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव अलग बात है लेकिन यह जीवन और मृत्यु की लड़ाई है। कपिल सिब्बल, जो कांग्रेस में विद्रोही जी-23 गुट का हिस्सा थे, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में सोनिया गांधी को एक पत्र में संगठनात्मक सुधार के लिए कहा था, ने पांच राज्यों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन को लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि उन्होंने कोरोना महामारी से निपटने को प्राथमिकता दी है। उन्होंने और जी -23 के अन्य नेताओं जैसे मनीष तिवारी, गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए बधाई दी है। जब सवाल किया गया कि कांग्रेस के नेता ममता बनर्जी को 'झांसी की रानी' क्यों कह रहे हैं? तो उन्होंने कहा, 'जब पीएम 2019 का लोकसभा चुनाव जीते थे, तो तो मैंने उन्हें बधाई दी थी। उन्हें झांसी की रानी नहीं कहा जा सकता था। वह गोलियाथ थे। हमें जीतने वाले नेताओं को बधाई देनी चाहिए। केंद्र ने जीत के लिए सब कुछ किया और चुनाव आयोग ने मदद की। इसके बावजूद, अगर ममता बनर्जी दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतती हैं तो तो उन्हें झांसी की रानी कहा जाना चाहिए।' आपको बता दें कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अभी-अभी संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 213 सीटें जीतीं। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में 77 सीटों पर कब्जा जमाया है। कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन का खाता तक नहीं खुला है।

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के बेटे चौधरी अजित सिंह का 82 साल की उम्र में निधन

कोरोना संक्रमण से लड़ रहे थे जंग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमित राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे अजित सिंह का गुरुवार सुबह निधन हो गया। 82 साल के चौधरी अजित सिंह ने गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। वे पिछले कई दिनों से कोरोना से संक्रमित थे। फेफड़े में संक्रमण फैलने से उन्हें निमोनिया भी हो गया था। पिछले दो दिनों से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

जाट समुदाय के बड़े नेता थे चौधरी अजित सिंह-अजित सिंह का दबदबा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी ज्यादा देखने को मिलता रहा है। वे जाटों के बड़े नेता माने जाते रहे हैं। वे कई बार केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। पिछले 2 लोकसभा चुनाव और 2 विधानसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय लोकदल का ग्राफ तेजी से गिरा। यही वजह है कि वे अपने गढ़ बागपत से भी लोकसभा चुनाव हार गए। अजित सिंह के सुपुत्र जयंत चौधरी भी मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव हारे।

देश में बनेगी 270 किलोमीटर लंबी टनल, 2026 तक पूरा होगा निर्माण

नई दिल्ली। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में 270 किलोमीटर लंबी टनल बनाने की योजना है। इसमें 135 किलोमीटर की डीपीआर बनाई जा रही है, उनका निर्माण कार्य 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टनल निर्माण के जरिये देश के बॉर्डर तक सालभर रोड कनेक्टिविटी बनी रहेगी, वाहनों की रफ्तार बढ़ने से यात्रा का समय कम होगा और सफर सुरक्षित बनेगा। नितिन गडकरी ने यह बात बुधवार को रोड टनल के अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में कही। टनल क्षेत्र में हाल के रुझान, नवाचार और आगे के उपाय विषय पर आयोजित वेबिनार में अंतरराष्ट्रीय टनल संगठन व उनके विशेषज्ञों ने शिरकत की। गडकरी ने कहा, टनल निर्माण क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन टनल निर्माण में बड़ी लागत सबसे बड़ी चुनौती है। इसके चलते टनल परियोजनाओं में अत्यधिक निवेश करना पड़ रहा है। सिर्फ टोल टैक्स लागू कर निर्माण कंपनियां निवेश किए गए धन की वापसी नहीं कर सकती हैं। इसलिए सरकार योजना बना रही है कि टनल के पास स्मार्ट सिटी, पर्यटक स्थल आदि विकसित कर परियोजना को व्यवहार्य बनाया जाए। भारत में टनल निर्माण क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

आधुनिक तकनीक से लागत कम करने पर काम हो-गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय टनल विशेषज्ञों से कहा कि टनल क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, नवाचार, मशीनें आदि के जरिये निर्माण की लागत कम करने का मार्ग प्रशस्त करें। क्योंकि हिमालय में ईको सेंसिटिव जोन, वन एवं पर्यावरण आदि के कारण टनल निर्माण का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण है।

पिछले वर्ष विश्व की 50 फीसदी सुरंग सिर्फ चीन में बनी-वर्ल्ड रोड एसोसिएशन के अनुसार, विश्व में गत वर्ष 5000 किलोमीटर लंबी सुरंगों का निर्माण किया गया। इसमें से 50त्न टनल चीन में बनाई गई हैं। इसके अलावा एशिया, यूरोप आदि देशों में टनल का बड़ा बाजार उपलब्ध है। भारत में जनसंख्या अधिक होने के कारण सड़कों पर कंजेशन की स्थिति रहती है, इसलिए भारत में अधिक चौड़ी और ऊंची टनल बनाने की जरूरत है।

तो बिहार में दंगा मचेगा...अब स्कूटी वाली लड़की ने की पुलिस से बदसलूकी

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर ने ऐसे कहर बरपाया है कि भारत की बड़ी आबादी को एक बार फिर से घरों में कैद रहने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कोरोना के प्रकोप को रोकने के लिए जगह-जगह लॉकडाउन और कर्फ्यू जैसी पाबंदियां हैं। इन पाबंदियों में पुलिस का काम दोगुना हो गया है। कोरोना नियमों का पालन कराने के लिए कई बार पुलिसकर्मियों को आम जनता से भी जूझना पड़ रहा है। ठीक इसी तरह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें एक लड़की नियमों का उल्लंघन तो कर ही रही है, साथ ही पुलिसवालों से बदतमीजी भी कर रही है। दरअसल, इस बार जो पुलिस से बदतमीजी का वीडियो वायरल हुआ है, वह बिहार की राजधानी पटना का बताया जा रहा है। इस वायरल वीडियो में स्कूटी सवार लड़की को न सिर्फ पुलिस से बदतमीजी करते देखा जा रहा है बल्कि वह वर्दी उतरवाने की धमकी भी दे रही है। इस वीडियो में देखा जा रहा है कि लॉकडाउन में स्कूटी से निकली महिला को पुलिस कर्फ्यू पास मांगने के लिए रोकती है।

'किसकी पॉकेट में जाता है ये चालान?'

इसके बाद महिला भड़क जाती है और

पुलिसवालों से बदतमीजी करती है। वीडियो में वह कहती है कि हमारा कर्फ्यू पास कल बनेगा। आज अगर आपकी नौकरी जाती है तो पूरे बिहार में न दंगा मच गया तो मेरा नाम बदल देना क्योंकि मेरा तो चालान कटने से रहा और आप काटने से रहे। इसके बाद महिला बेहद बदतमीजी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लेते हुए कहती है- 'वही आकर काटेगा चालान। जब मन हुआ लॉकडाउन बजा दिया, बाजार बंद करवा दिया। अरे, ढेले वाला रोज कमाता खाता है, उसका क्या... देखो न भूखा मर रहा है। यहां चालान पर चालान कट रहा है। ये चालान कट कर कहां जाता है नतीश कुमार की पॉकेट में...मोदी की पॉकेट में?'

'बताओ किसकी पोल खोलू मैं?'

इसके बाद पुलिसकर्मी महिला को हेलमेट न पहनने के लिए टोकते हैं तो कहती है- हेलमेट को लात मारिए क्योंकि उससे ज्यादा ये लॉकडाउन कोरोना के लिए किया गया है। कोरोना में आदमी मर जाता है तो हेलमेट क्या करेगा? महिला लगातार जोर-जोर से चिल्ला कर बात कर रही है। वह कहती है- सुनना चाहते हैं किसकी पोल खोलू मैं आज- हॉस्पिटल में क्या होता है। आदमी खांसी लेकर जाता है और कहा जाता है कि कोरोना हो गया है।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया, एक ने सरेंडर किया

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में आतंक के सफाए का काम जारी है। हर दिन सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में घाटी में छुपे आतंकी ढेर किए जा रहे हैं। गुरुवार सुबह भी शोपिया में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया। इसके अलावा एक हाल ही में भर्ती आतंकी ने सरेंडर कर दिया है और सर्च ऑपरेशन जारी है। सरेंडर करने वाले आतंकी का नाम तौसीफ अहमद बताया जा रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिल ने ट्वीट कर ये जानकारी दी। पुलिस ने ट्वीट किया, 'जम्मू-कश्मीर के शोपियां के कनिगाम मेंअल-बद्र आतंकी संगठन के चार नए भर्ती हुए

स्थानीय आतंकवादी फंसे हैं। पुलिस और सुरक्षा बल उन्हें सरेंडर करने के लिए मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, सरेंडर के प्रस्ताव को ठुकराते हुए, फंसे हुए आतंकवादियों ने ज्वाइंट सर्च पार्टी पर गोलीबारी की और ग्रेनेड गिराया। जिसके बाद तीन आतंकियों को ढेर किया गया।

कोरोना संक्रमितों के घर तक ऑक्सीजन पहुंचाएगी सरकार, ऐसे करें पंजीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली में होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड मरीजों के लिए सरकार घर पर ही इमरजेंसी ऑक्सीजन देने के लिए केंद्रीकृत ऑक्सीजन पूल बनाएगी। यह पूल जिलाधिकारियों की निगरानी में काम करेगा। जिलाधिकारी के पास ही कोविड मरीज की गंभीरता को देखते हुए तय करने का अधिकार होगा कि उसे घर पर ऑक्सीजन देना है या नहीं। फिलहाल सभी जिले को स्वास्थ्य विभाग ने 20-20 ऑक्सीजन सिलेंडर का कोटा दिया है। दिल्ली में 50 हजार से अधिक मरीज

होम आइसोलेशन में हैं। अभी अगर उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है तो वह अस्पताल की तरफ भागता है, जिससे वहां बेड भर जाते हैं। सरकार घर पर ही ऑक्सीजन उपलब्ध कराकर अस्पतालों में भीड़ कम करने की तैयारी कर रही है।

खाली सिलेंडर दान करें

सरकार ने दिल्लीवालों से खाली पड़े ऑक्सीजन सिलेंडर दान करने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आशीष कुंद्रा के मुताबिक, राजघाट डीटीसी बस डिपो में एक केंद्र बना है, जहां लोग सिलेंडर दान कर सकते हैं। इससे जुड़ी जानकारी के लिए 011 23270718 पर कॉल कर सकते हैं।

पंजीकरण कराना होगा

होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड मरीज दिल्ली सरकार के पोर्टल www.delhi.gov.in पर पंजीकरण कराकर ऑक्सीजन सिलेंडर पा सकेंगे। इसके लिए उन्हें पंजीकरण के समय फोटो पहचान पत्र, आधार कार्ड, कोविड जांच रिपोर्ट और अगर सीटी स्कैन रिपोर्ट है तो उससे अपलोड करना होगा। उसके आधार पर जिलाधिकारी उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराएंगे।बाद में जरूरत पड़ने पर उन्हें जिले में रीफिलिंग प्लांट से रीफिल कराने का पास भी मिलेगा।

कोरोना की तीसरी लहर बच्चों पर बरपाएगी कहर !

विशेषज्ञों ने जताई यह 'खौफनाक' आशंका

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की पहली लहर में जहां सबसे ज्यादा बुजुर्ग लोग संक्रमित हुए। वहीं दूसरी लहर में कोरोना वायरस के निशाने पर युवा आबादी रही। अब विशेषज्ञ आशंका जता रहे हैं कि अगर देश में तीसरी लहर आई तो यह बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। ऐसा दुनिया के दूसरे देशों में भी हुआ है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि भारत में कोरोना की तीसरी लहर सितंबर तक आ सकती है। बाल चिकित्सा और संक्रामक रोगों के विशेषज्ञों ने कहा है कि सरकार को जल्द से जल्द बच्चों के टीकाकरण के कार्यक्रम को शुरू करना चाहिए नहीं तो कोरोना की तीसरी लहर में 18 से कम उम्र वाले बच्चों बुरी तरह से प्रभावित हो सकते हैं। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन शिंदे कहते हैं कि बच्चों का टीकाकरण बहुत महत्वपूर्ण है। अन्यथा कोरोना की तीसरी लहर टीका नहीं लगवा पाए इन बच्चों को अपने चपेट में ले लेगी। देश में 18 से 44 वर्ष के बीच के नागरिकों के लिए टीकाकरण शुरू हो चुका है। इस आयु-वर्ग से ऊपर के कई लोगों को पहले से ही वैक्सीन की सुरक्षा कवच मिल चुकी है। इसलिए अब वायरस उन लोगों को लक्षित करेगा जिनके पास यह सुरक्षा नहीं है।

दूसरी लहर ने ज्यादा संख्या में चपेट में लिया

विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही कोरोना वायरस वर्तमान में बच्चों में गंभीर जटिलताएं नहीं पैदा कर रहा है लेकिन दूसरी लहर में संक्रमित बच्चों की संख्या में काफी तेजी आई है। पहली लहर की अपेक्षा दूसरी लहर में मुंबई पुणे जैसे शहरों में बच्चें ज्यादा संक्रमित हुए हैं। हालांकि बच्चे गंभीर स्थिति में नहीं जाते, लेकिन वे संक्रमण के वाहक होते हैं। हालांकि बच्चे बुजुर्गो को संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए इससे बचाव को हमें बच्चों के लिए टीके की आवश्यकता है।

बच्चों के टीकाकरण बिना हर्ड इम्युनिटी संभव नहीं - टीका अब 18-45 वर्ष के नागरिकों के लिए लगना शुरू हो चुका है लेकिन वंचित आयु वर्ग 0-18 वर्ष है

- यह समूह देश की कुल आबादी का 30 फीसदी है
- बिना बच्चों के टीकाकरण के हर्ड इम्युनिटी पाना संभव नहीं होगा
- बच्चे संक्रमण के वाहक हैं और वे तीसरी लहर में लोगों को संक्रमित करना जारी रख सकते हैं
- स्कूल का खुलना सामान्यीकरण की दिशा में बड़ा कदम होगा जोकि बच्चों के टीकाकरण के बाद ही संभव है

बीएमसी बनाने लगी बच्चों के लिए कोविड वॉर्ड -कोविड की तीसरी लहर में बच्चे के कोरोना से चपेट में आ सकने की संभावना को देखते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और महाराष्ट्र सरकार मिलकर शहर में बाल चिकित्सा कोविड देखभाल वार्ड स्थापित कर रही है। कोविड की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पिछले हफ्ते राज्य के सभी जिला कलेक्टरों और नगरपालिका आयुक्तों को कोविड तीसरे हमले के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे जो मुंबई उपनगरीय जिले के संरक्षक मंत्री हैं, उन्होंने इस संबंध में बीएमसी मेयर किशोरी पेडनेकर, अतिरिक्त नगर आयुक्त संजीव जायसवाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा की है. उन्होंने बीएमसी को अगली लहर की आशंका वाले अलग-अलग पीडियाट्रिक कोविड केयर वार्ड बनाने का सुझाव दिया है।

मई के अंत तक दूसरी लहर खत्म होने की उम्मीद-कोरोना वायरस मामले की भविष्यवाणी पर सरकार के गणितीय मॉडलिंग विशेषज्ञ एम. विद्यासागर ने सुझाव दिया कि भारत में 7 मई तक कोरोना वायरस का पीक देखने को मिल सकता है।

CMYK

CMYK

सार समाचार

जम्मू-कश्मीर में भी बढ़ रहे कोरोना के तेजी से मामले, कड़े किए गए प्रतिबंध

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर बृहस्पतिवार से लॉकडाउन समेत कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं जिसके कारण कई इलाकों में जनजीवन भी प्रभावित रहा। इसके अलावा अलगाववादी नेता मोहम्मद अशरफ सहराई के निधन के कारण घाटी में भी कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक लॉकडाउन की घोषणा के साथ ही केन्द्र शासित प्रदेश के कई जिलों में लोगों के आने-जाने और एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जम्मू और घाटी के कई इलाकों में पहले से ही कर्फ्यू लागू है। इसके बाद जम्मू क्षेत्र में भी लोगों के एकत्र होने समेत कई प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। दरअसल, जम्मू के एक अस्पताल में बुधवार को अलगाववादी नेता सहराई के निधन के बाद से ही घाटी के कई इलाकों में प्रतिबंध लागू कर दिए गए थे। सहराई को जन सुरक्षा कानून के तहत पिछले वर्ष जुलाई में हिरासत में लिया गया था और ऊधमपुर की जेल में रखा गया था। कोविड प्रोटोकॉल के तहत आज तड़के कुपवाड़ा जिले स्थित उनके पैतृक गांव में सुपुर्दे-ए-खाक किया गया।

दिल्ली को मिली 730 मीट्रिक ऑक्सीजन, सीएम केजरीवाल ने पीएम मोदी को किया शुक्रिया

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि, पहली बार, केंद्र ने दिल्ली को 730 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। दिल्ली को 700 टन की आवश्यकता है। हम केंद्र, दिल्ली ।ष्ट और स्ष्ट के आभारी हैं। उनके प्रयासों से, हमें 730 टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई। मैं सभी से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि आपूर्ति कम न करें, हम शुक्रगुजार रहेंगे। सीएम केजरीवाल ने आगे बताया कि, ऑक्सीजन संकट के कारण, अस्पतालों को अपनी बिस्तर क्षमता कम करनी पड़ी। मैं सभी अस्पतालों से अनुरोध करता हूं कि वे अब अपनी बिस्तर क्षमता को बहाल करें। मुझे उम्मीद है कि हम हर दिन 700 टन ऑक्सीजन प्राप्त करेंगे। दिल्लीवासियों को संदेश देते हुए अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि, अगर हमें ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो जाए - 700 टन - हम दिल्ली में 9000-9500 बिस्तर स्थापित कर पाएंगे। हम ऑक्सीजन बेड बनाने में सक्षम होंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से किसी को मरने नहीं देंगे।

कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग की

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगााया कि चुनाव खत्म होने के साथ ही 'लूट' फिर शुरू हो गई है। पार्टी ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि बढ़ी हुई कीमतों को वापस लिया जाए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, '' चुनाव ख़त्म,लूट फिर शुरू!'' पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, '' देश कोरोना से जूझ रहा है,पर मोदी सरकार हर रोज़ पेट्रोल-डीज़ल के दाम बढ़ा जनता को लूट रही है। पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ी क़ीमतें वापस लें।'' पेट्रोल के दाम में बृहस्पतिवार को 25 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 30 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि कर दी गई ।तेल कंपनियों ने लगातार तीसरे दिन ईंधन के दाम बढ़ाये हैं। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल का दाम 90.74 रुपये से बढ़कर 90.99 रुपये प्रति लीटर हो गया ।वहीं डीजल का दाम इस दौरान 81.12 रुपये से बढ़कर 81.42 रुपये प्रति लीटर हो गया।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शराब के बदले होम्योपैथिक दवा पीने से 9 लोगों की मौत, 5 की हालत गंभीर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कथित तौर पर एल्कोहल युक्त होम्योपैथिक दवा पीने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है तो 5 को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गयाय है। पुलिस का कहना है कि इन लोगों ने शराब के बदले यह दवा पी थी जिसमें 91 फीसदी एल्कोहल होता है। पुलिस ने एक होम्योपैथिक डॉक्टर को भी हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। सिटी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (सीएसपी) निमेष बाराइया ने कहा कि घटना बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है। यहां कोरमी गांव में मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ये मौतें हुई हैं। 9 मृतकों में से 4 की मौत मंगलवार देर रात गांव में हुई, जबकि 5 की मौत बिलासपुर के अस्पताल में हुई। सीएसपी ने आगे कहा कि पीड़ितों ने मंगलवार रात ड्रोसेरा 30 होम्योपैथिक सीरप पानी में मिलाकर पी थी। बिलासपुर के एसपी प्रशांत अग्रवाल ने कहा, 'मंगलवार रात जब गांव में चार लोगों की मौत हुई तो लोगों को संदेश हुआ कि उनकी मौत कोरोना की वजह से हुई है, इसके बाद उनका अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस को मौतों के बारे में सूचना मिली तो मौके पर पहुंची। वहां पता चला कि और भी लोग बीमार हैं।' एसपी ने कहा, 'जब पुलिस ने जांच की तो पता चला कि सीरप का सेवन गांव के अन्य 9 लोगों ने किया है। उन्हें भी तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इनमें से अब तक 4 की मौत हो चुकी है। पुलिस ने एक होम्योपैथिक डॉक्टर को भी गांव के पास ही हिरासत में लिया है। एसपी ने कहा, 'हम उससे पूछताछ कर रहे हैं और इस आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।' एसपी ने दावा किया कि शराब के बदले इन लोगों ने इस सीरप का अधिक मात्रा में सेवन किया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में अन्य लोगों की भी जांच कर रही है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 पर जनस्वास्थ्य प्रतिक्रिया की समीक्षा की

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने भारत की स्थिति को काफी खराब कर दिया है। सरकार के खोखले वादों की पोल कोरोना काल में खुल गयी है। कोरोना से संक्रमित मरीजों के लिए अस्पताल में ऑक्सीजन और बेड की भी सुविधा नहीं हैं। इस ससमय भारत एक बहुत ही बुरे दौर से गुजर रहा हैं। केंद्र सरकार की तरफ से स्थिति को कंट्रोल करने के लिए हर तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के ज्यादा कर राज्यों ने कोरोना वायरस की चेन को तोड़ने के लिए लॉकडाउन लगायया हुआ है। वहीं दूसरी तरफ क्या बेहतर किया जा सकता है उन पीएम मोदी लगातार बैठके कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 पर जनस्वास्थ्य प्रतिक्रिया की समीक्षा की ।राज्यवार, जिलावार स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य ढांचे को दुरूस्त करने में राज्यों को सहयोग, मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए । प्रधानमंत्री मोदी ने टीकाकरण की प्रगति, अगले कुछ महीने में टीकों का उत्पादन बढ़ाने के रोडमैप की समीक्षा की।

45 वर्ष से अधिक उम्र केकरीब 31 फीसदी पात्र लोगों को टीके की कम से कम एक खुराक दी गई, राज्यों को करीब 17.7 करोड़ टीकों की आपूर्ति की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की, रेमडेसिविर सहित दवाओं का उत्पादन तेज करने के लिए कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्यों को जागरूक करने की जरूरत है ताकि टीकाकरण की गति धीमी नहीं पड़े।

भारत में कोरोना वायरस के मामले हर दिन एक नया रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं और बृहस्पतिवार को संक्रमण के 4,12,262 नए मामले दर्ज किए गए तथा 3,980 लोगों ने इस महामारी से जान गंवाई। इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले देश में 2,10,77,410 हो गए और मृतकों की संख्या 2,30,168 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 35,66,398 है जो संक्रमण के कुल मामलों का 16.92 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर गिरकर 81.99 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,72,80,844 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामले सात अगस्त को 20 लाख का आंकड़ा पार कर गए थे। इसके बाद संक्रमण के मामले 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के पार चले गए थे।

उत्तर भारत वायरस के ब्रिटिश प्रकार से सबसे अधिक संक्रमित, पश्चिम में कहर बरपा रहा डबल म्यूटेंट

नई दिल्ली(एजेंसी)।

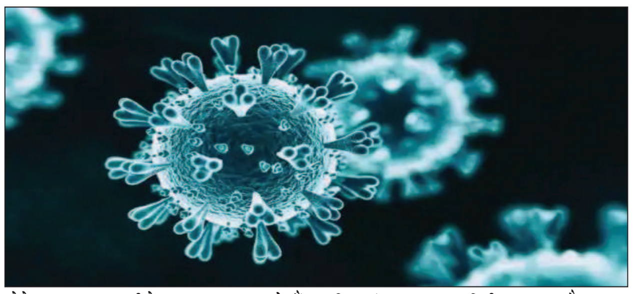

उत्तर भारत में इस समय सबसे अधिक लोग वायरस के ब्रिटिश संस्करण से संक्रमित हैं जबकि महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में वायरस का डबल म्यूटेंट प्रकार (वायरस की आनुवांशिकीक में दोहरा बदलाव) कहर बरपा रहा है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल(एसीडीसी) के निदेशक सुजीत सिंह ने दी है। सिंह ने हालांकि यह भी कहा कि सार्स कोव-2 वायरस के बी1.1.7 प्रकार (ब्रिटिश प्रकार) से देश में संक्रमित होने वाले लोगों के अनुपात में गत एक महीने में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

सिंह ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब (482 नमूनों), दिल्ली (516 नमूने)सहित उत्तर भारत में वायरस का ब्रिटिश संस्करण प्रमुखता से लोगों को संक्रमित कर रहा है जिसके बाद उसका असर तेलंगाना (192 नमूने), महाराष्ट्र (83) और कर्नाटक (82) में देखा गया। उन्होंने बताया कि 10 शीर्ष सरकारी प्रयोगशालायें एवं संस्थान गत साल दिसंबर से ही कोरोना वायरस का जीनोम अनुक्रमण कर रहे हैं। सिंह ने बताया कि अबतक 18,053 नमूनों का जीनोम अनुक्रमण किया गया है।

राज्यों से शेयर की जा चुकी है जानकारी

उन्होंने बताया कि जीनोम अनुक्रमण से जुड़ी जानकारी राज्यों से फरवरी में दो बार और मार्च-अप्रैल में चार-चार बार साझा की गई। उन्होंने बताया कि डबल म्यूटेंट जिसे बी.1.617 के नाम से भी जाना जाता है प्रमुख रूप से महाराष्ट्र (721 नमूने), पश्चिम बंगाल (124), दिल्ली (107) और गुजरात (102) को प्रभावित कर रहा है।

तेलंगाना और दिल्ली में दक्षिण अफ्रीकी वायरस

उन्होंने ने बताया कि वायरस के दक्षिण अफ्रीकी प्रकार का मुख्य रूप से प्रभाव तेलंगाना और दिल्ली में देखने को मिला। इसे जिसे बी.1.315 के नाम से जाना जाता है।उन्होंने बताया कि ब्राजीलियाई प्रकार केवल महाराष्ट्र में मिला और उसका अनुपात नगण्य है।

सीएम ममता बनर्जी का बंगाल हिंसा पीड़ितों के लिए मुआवजे का ऐलान

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुए हिंसा को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा में मरने वालों को बिना किसी भेदभाव के 2-2 लाख रुपये मुआवजे देने का ऐलान किया है। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि, ईसी द्वारा कानून और व्यवस्था के तहत 16 मारे गए, जिनमें से आधे टीएमसी के और आधे बीजेपी के थे, एक संजुक्ता मोर्चा का था। केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए ममता दीदी ने कहा, बीजेपी नेता घूम रहे हैं, भड़का रहे हैं। नई सरकार के 24 घंटे भी नहीं हुए हैं, वे पत्र भेज रहे हैं, टीम और नेता आ रहे हैं। वे वास्तव में जनादेश को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। मैं उनसे लोगों के जनादेश को स्वीकार करने का अनुरोध करती हूं। केन्द्र सरकार पर सवाल करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, पीएम केर फंड कहां है? क्यों वे युवा लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं? उनके नेताओं को जगह-जगह जाने के बजाय कोविड़ अस्पतालों का दौरा करना चाहिए। उनके नेता आ रहे हैं और कोविड़ फैला रहे हैं। मुफ्त टीकाकरण के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने

कहा कि, मुझे अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए दीदी ने कहा, जब वे नई संसद और मूर्तियाँ बना रहे हैं, तो 20,000 करोड़ रुपये खर्च करके टीकों के लिए 30,000 करोड़ रुपये आवंटित नहीं कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बंगाल में हुई हिंसा की कड़ी निंदा की।नड्डा ने ममता पर निशान साधते हुए कहा कि, जिस तरह से नरसंहार हुआ, हत्याएं हुई और पूरे 36 घंटे ममता बनर्जी चुप रही। यह उनकी भागीदारी को बताता है। उनके (ममता बनर्जी) तीसरे कार्यकाल की शुरूआत उनके हाथ में लगे हुए खून के साथ हुई है।

गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने की चिकित्सा सहायता की घोषणा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

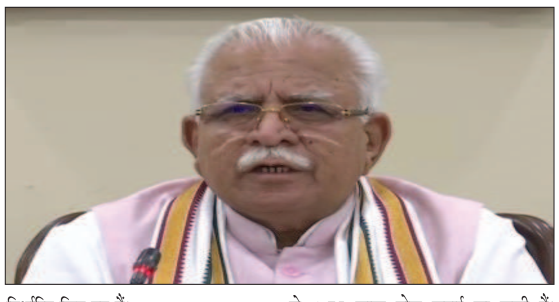

बढ़ते कोरोना मामलों के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने निजी अस्पतालों में और ऑक्सीजन, आईसीयू सहायता में भर्ती मरीजों जो गरीबी रेखा से नीचे है उनके लिए प्रति दिन अधिकतम 7 दिन यानि 35,000 की चिकित्सा सहायता की घोषणा की है। हरियाणा के सीएमओ ने बताया कि, प्राइवेट अस्पतालों में कोविड19 उपचार के लिए बेड और अन्य सुविधाओं की दरें तय की गई हैं। राज्य सरकार ने एनएबीएच और जेसीआई मान्यता प्राप्त अस्पतालों में आइसोलेशन बेड के लिए 10,000 रुपये की दर निर्धारित की है। इसके अलावा वेंटिलेटर के बिना आईसीयू बेड के लिए 15,000 रुपये और वेंटिलेटर के साथ आईसीयू बेड के लिए 18,000 रुपये प्रति दिन की दरें निर्धारित की गई है। इसी तरह, गैर-एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों में, आइसोलेट बेड के लिए 8,000 रुपये, वेंटिलेटर के बिना आईसीयू बेड के लिए 13,000 रुपये और वेंटिलेटर के साथ आईसीयू बेड के लिए 15,000 रुपये प्रति दिन निर्धारित किए गए हैं।

इसके साथ मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि, केंद्र सरकार की तरफ से हरियाण को 12,700 रेमेडिसविर इंजेक्शन मुहैया कराया गया है। उन्होंने साथ में बताया कि,ष्ठक्रष्ठह्र की सहायता से 500 बेड का अस्पताल पानीपत में और 500 बेड का अस्पताल हिसार मे तैयार किया जा रहा है, जहां ऑक्सीजन गैस रूप में उपलब्ध है। चंडीगढ़ में हमने ऑक्सीजन कंट्रोल रूम बनाया है।मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि,18 से 44 आयु वर्ग के लोगों में लिए हमें 3 लाख डोज़ मिली हैं जिनमें से 1.75 लाख डोज लगाई जा चुकी हैं। अगले 2-3 दिन में हमें वैक्सीन की एक और खेप प्राप्त होगी।

बता दें कि, हरियाणा में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 15,786 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,43,559 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में कोविड-19 से एक ही दिन में सर्वाधिक 153 मरीजों की मौत के साथ ही कुल मृतक संख्या बढ़कर 4,779 तक पहुंच गई है।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारी करे सरकार, बच्चों के टीकाकरण को सुनिश्चित करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह कोविड -19 की तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू करे, यह कहते हुए कि जनता के बीच दहशत को रोकने के लिए बफर स्टॉक बनाना महत्वपूर्ण है। दिल्ली को ऑक्सीजन की आपूर्ति पर एक सुनवाई के दौरान, स्ष्ट ने केंद्र से कहा कि वह भारत-कोरोनोवायरस की तीसरी लहर की तैयारी के लिए एक अखिल भारतीय दृष्टिकोण विकसित करे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऑक्सीजन के आवंटन के लिए आधार को भारत से तीसरी लहर के हमले से पहले ऑडिट से पुनः प्राप्त किया जा सकता है। केंद्र को अखिल भारतीय आधार पर ऑक्सीजन की आपूर्ति के मुद्दे को देखने की जरूरत है। जस्टिस ने कहा कि ऑक्सीजन ऑडिट को देखने की जरूरत है और साथ ही ऑक्सीजन के पुनर्विकास का आधार भी है। कोरोना वायरस के आतंक को कम करने के लिए बफर स्टॉक बनाना महत्वपूर्ण है, कोर्ट ने उल्लेख किया, और कहा कि राज्यों को ऑक्सीजन आवंटित करने के लिए केंद्र के सूत्र को पूरी तरह से सुधार की आवश्यकता है। कोरोना वायरस की तीसरे लहर क भयावक खतरे को चेताते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकारे इसे संभालने के लिए आज ही तैयारी करें। तीसरी लहर के दौरान बच्चे प्रभावित हो सकते हैं, बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को बताया, 'तीसरी लहर, नीत

आकांक्षाओं और नर्सों का सहारा लेकर इस महामारी से निपटने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करें।' कोर्ट ने कहा 'यदि केंद्र नीति निर्धारण में त्रुटि करते हैं, तो, आपको इसके लिए जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा।'

इस तरह के सरफेस पर जिंदा नहीं रहेगा कोरोना का वायरस, आईआईटी के शोधकर्ताओं ने सुझाया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं के ऐसे सरफेस को सुझाया है जिसमें कोरोना प्रभावित व्यक्ति का ड्रापलेट बेहद जल्दी मर जाएगा। जैसा कि हम जानते हैं कि कोरोना से प्रभावित किसी व्यक्ति का ड्रापलेट अगर सरफेस पर गिरता है तो वह बीमारी फैलाने का संभावित और प्रबल स्रोत हो सकता है। इसे बीमारी फैलने का फॉर्माइट रुट जाना जाता है। इसमें ड्रापलैट का जलीय तत्व वायरस के जीवित रहने का कारण बनता है।

ड्रापलेट का लाइफ स्पैन इस बात का कारक होता है कि सतह वायरस को कितना फैलाएगी। हालांकि 99.9 फीसदी ड्रापलेट लिक्विड कुछ मिनट में ही उड़ जाता है। एक थिन फिल्म (पानी की हल्की परत) जीवित रहती है। यह पानी की परत जल्दी सूखती नहीं है। जिससे वायरस के जीवित रहने की संभावना रहती है। यह थिन फिल्म आंखों से दिखाई नहीं देती है। इन सब बातों के आधार पर एक प्रश्न उठता है कि क्या किसी ऐसे सरफेस को डिजाइन किया जा सकता है जो वायरस के जीवित रहने के समय को कम कर सकें। आईआईटी के शोधकर्ताओं ने इसका हल खोज निकाला है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक उत्कृष्ट रूप से डिजाइन की गई सतह तेजी से वायरल लोड का क्षय करेगी, जिससे वायरस के प्रसार होने की संभावना कम हो जाएगी।

ऐसी होनी चाहिए सतह

आईआईटी मुंबई के शोधकर्ता रजनीश भारद्वाज का कहना है कि हमारे शोध में सामने आया है कि माइक्रोटेक्सचर सरफेस पर वायरस मौजूदा सरफेस की तुलना में कम देर तक जिंदा रहेगा। इस पर ड्रापलेट जल्दी सूख जाती है। उदाहरण के तौर पर यदि स्मूथ सरफेस पर वायरस 12 घंटे तक जीवित रहता है तो माइक्रोटेक्सचर सरफेस पर यह छह घंटे तक जीवित रहेगा। इस बात को एक कमल के पत्ते के उदाहरण से समझ सकते हैं। कमल के पत्ते की सतह माइक्रोटेक्सचर होती है इसलिए यह हमेशा साफ रहता है। यही नहीं इसकी सतह बेहद जल्दी सूखती है। मोटे तौर पर कहा जाए तो वायरस को किसी सतह पर मारने के लिए माइक्रोटेक्सचर बनाने होंगे। इन सरफेस को एंटीवायरल सरफेस कहा जाता है।

उन्होंने बताया कि भौतिक विज्ञान के संदर्भ में, सॉलिड लिक्विड इंटरफेसियल एनर्जी को हमारे द्वारा प्रस्तावित सरफेस इंजीनियरिंग के कांबीनेशन से बढ़ाया जा सकता है। इससे पतली फिल्म के पतली फिल्म के भीतर आसन्न दबाव बढ़ेगा। इससे पतली फिल्म के सूखने की गति तेज होगी।

किस तरह के माइक्रोटेक्सचर बेहतर

रजनीश भारद्वाज ने बताया कि लंबे और कम दूरी वाली माइक्रोटेक्सचर सतह सबसे अधिक प्रभावी होती है। लंबे और दूर-दूर दूरी वाली सरफेस इसके मुकाबले कम प्रभावशाली होती है। छोटी और दूर-दूर वाली सतह इन दोनों के मुकाबले कम असरकारक होती है।

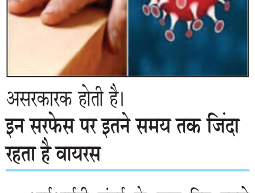

इन सरफेस पर इतने समय तक जिंदा रहता है वायरस

आईआईटी मुंबई के कुछ दिन पहले किए गए शोध के अनुसार पोरस सरफेस जैसे कि पेपर और कपड़े में वायरस कम समय तक जिंदा रहता है। इन सतह पर वायरस कुछ घंटों तक ही जिंदा रहता है। वहीं ग्लास, स्टैनलेस स्टील और प्लास्टिक में वायरस क्रमशः चार, सात और सात दिन जिंदा रहता है। पेपर पर वायरस तीन घंटे से कम समय तक ही जीवित रहता है। कपड़ों में यह वायरस दो दिन तक जीवित रहता हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति पर राज्यपाल से मांगी रिपोर्ट

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में कानून और व्यवस्था की स्थिति, खासकर चुनावी नतीजों के बाद हुई हिंसा की घटनाओं पर राज्यपाल जगदीप धनकड़ से रिपोर्ट मांगी है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को अधिकारियों ने दी। राज्यपाल से स्थिति का आकलन करने के बाद जल्द से जल्द मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि गृह

मंत्रालय ने इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार से हिंसा पर रिपोर्ट मांगी थी लेकिन उसे अब तक राज्य सरकार से कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए मंत्रालय ने एक अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम का गठन किया है भाजपा का दावा है कि चुनाव के बाद हुई हिंसा में उसके छह कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया।

CMYK

सार समाचार

अफगानिस्तान में टीवी एंकर की गोली मारकर हत्या, हमलावर मोबाइल लेकर हुए फरार

काबुल।अफगानिस्तान में बृहस्पतिवार को बंदूकधारियों ने कंधार शहर जा रहे एक पूर्व टीवी प्रस्तोता की हत्या कर दी। एक प्रांतीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांतीय प्रवक्ता बशीर अहमदी ने कहा कि आज दोपहर दो अज्ञात हमलावरों ने निमत रवान को गोली मारी और उनका मोबाइल लेकर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके के कई अन्य पत्रकारों से कहा कि वे भी चरमपंथियों के निशाने पर हैं।
अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की कवायद शुरू हो चुकी है। ऐसे में इस हत्या के बाद अफगानिस्तान में पत्रकारों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि अमेरिकी सैनिकों के वापस जाने से अफगानिस्तान में हिंसा बढ़ने की आशंका है और विदेशी शक्तियों के साथ काम कर चुके लोगों को निशाना बनाया जा सकता है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस शुक्रवार को देंगी भारत के लोगों के प्रति एकजुटता का संदेश

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भारत के लोगों के प्रति एकजुटता का संदेश देंगी। वह कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे मित्र देश भारत में लोगों के जीवन को बचाने और महामारी पर जल्द से जल्द काबू पाने की अपील करेंगी। विदेश मंत्रालय ने इस बारे में बताया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि हैरिस डिजिटल कार्यक्रम ''भारत में अमेरिका के कोविड राहत प्रयास - प्रवासी भारतीयों का दृष्टिकोण'' को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो ने बुधवार को घोषणा की, ''सहयोगी के रूप में लोगों के जीवन को बचाने और महामारी को खत्म करने की मुहिम को आगे बढ़ाने तथा भारत के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने के लिए कमला हैरिस कार्यक्रम को संबोधित करेंगी।'' शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार होने वाले कार्यक्रम की मेजबानी विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो के सलाहकार एरविन मासिंगा करेंगे।

स्पेन में भारत में मिले कोरोना वायरस के नए स्वरूप के 11 मामले सामने आये

मैड्रिड। स्पेन में भारत में पाए गए कोरोना वायरस के नए स्वरूप के 11 मामले सामने आये हैं। स्पेन की स्वास्थ्य मंत्री कैरोलिना डेरियास ने कहा है कि स्वास्थ्य अधिकारियों को हाल के दिनों में दो अलग-अलग मामलों का पता चला है। उन्होंने बताया कि ऑक्सीजन और श्वसन संबंधी मशीनों समेत आवश्यक चिकित्सा सामग्री लेकर एक विमान कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित भारत के लिए बृहस्पतिवार को रवाना होगा। स्पेन की सरकार ने कोविड-19 की दूसरी लहर से निपटने में भारत की मदद के लिए सात टन चिकित्सा सामग्री की एक खेप भेजने की पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

स्पूतनिक का बड़ा ऐलान, लाइट वर्जन टीका सिंगल डोज में ही करेगा कोरोना का काम तमाम

नई दिल्ली। रूस की कोरोना वायरस वैक्सीन स्पूतनिक ने गुरुवार को एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने कहा है कि स्पूतनिक वी का लाइट वर्जन सिंगल डोज में ही कोरोना वायरस का काम तमाम कर देगा। रूस ने कहा कि स्पूतनिक वी का लाइट वर्जन सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन है जो कि 80 फीसदी तक प्रभावी है। कंपनी का दावा है कि उसका लाइट वर्जन वैक्सन दो डोज वाले टीकों की तुलना में सिंगल डोज में ही अधिक कारगर है। स्पूतनिक के इस लाइट वर्जन वैक्सीन को रूसी सरकार की मंजूरी भी मिल गई है।

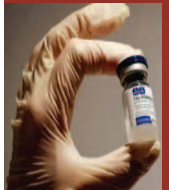

स्पूतनिक वी ने कहा कि वैक्सीन के लाइट वर्जन से टीकाकरण को गति मिलेगी और महामारी को फैलने से रोकने में मदद करेगा। स्पूतनिक ने कहा कि वैक्सीन के लाइट वर्जन की प्रभावकारिता ओवरआल 79.4 फीसदी रही है। 91.7 फीसदी लोगों में मात्र 28 दिन के भीतर वायरस से लड़ने की एंटीबॉडी बन गई। कंपनी ने कहा कि 100 फीसदी लोग जिनके शरीर में पहले से इम्यूनिटी थी उनको वैक्सीन लेने के बाद शरीर का एंटीबॉडी लेवल 10 दिन में 40 गुना बढ़ गया बता दें कि रूस की कोरोना वायरस वैक्सीन स्पूतनिक वी के इस्तेमाल के लिए भारत सरकार ने भी मंजूरी दे दी है। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी की पहली खेप पहुंची भारत पहुंच गई है। 1.5 लाख डोज लेकर रूसी विमान शनिवार को करीब 4 बजे हैदराबाद में लैंड किया। इसके साथ ही देश कोकोरोना के खिलाफ तीसरा हथियार मिल गया है। आज ही देश में टीकाकरण के पहले फेज की शुरुआत हुई है, जिसे स्पूतनिक वी के आने से तेजी मिलेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि स्पूतनिक वी वैक्सीन महामारी के खिलाफ जंग में भारतीय शस्त्रागार से जुड़ेगा। यह तीसरा विकल्प हमारी वैक्सीन क्षमता को बढ़ाएगा और टीकाकरण में तेजी लाएगा। 1.5 लाख डोज की यह पहली खेप है आगे लाखों डोज और आएंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर डिजिटल तरीके से जी7 बैठक में शामिल हुए, महामारी से निपटने को लेकर की चर्चा

लंदन। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि विकराल रूप धारण कर रही कोविड-19 महामारी से निपटने का वैश्विक जवाब टीकाकरण और अलग-अलग जगहों पर उसके उत्पादन में निहित है तथा इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारत अपनी भूमिका निभाएगा। लंदन में जी7 के विदेश और विकास मंत्रियों की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा के बारे में जानकारी देते हुए जयशंकर ने और ज्यादा पारदर्शिता बरतने की बात कही। विदेश मंत्री जयशंकर ने जी7 की बैठक में डिजिटल तरीके से हिस्सा लिया। उन्होंने बैठक में प्रत्यक्ष रूप से मौजूद न रहने का निर्णय किया क्योंकि भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल दो सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। उन्होंने ट्वीट किया, ''कोविड संबंधी प्रवृत्तियों के कारण भू-राजनीतिक बदलावों में तेजी आयी है।

नीतियों का चुनाव पारदर्शिता, निर्भरता और लचीलेपन के आधार पर होगा।'' उन्होंने आश्वासन दिया, ''कोविड चुनौती का एकमात्र समाधान टीकाकरण है। समस्या का वैश्विक समाधान अलग-अलग जगहों पर उत्पादन, निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला और उदार रूप से संसाधनों को साझा करने पर निर्भर करेगा। भारत इसमें अपनी भूमिका निभाएगा।'' बैठक में फर्जी खबरों पर रोक लगाने और ब्रिटेन की मेजबानी में ग्लासगो में होने वाले कोप26 संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन तक वैश्विक जलवायु साझेदारी को मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''मुक्त समाज और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए बेहद सावधानी से उसका पोषण करना होता है। फर्जी खबरों और डिजिटल माध्यमों पर तोड़-मरोड़ पर पेश किए गए तथ्यों से सावधान रहें।' जयशंकर ने कहा, 'भारत ने 2014 से हरित विकास को अपना लिया है। बदलाव की कहानियों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, उज्ज्वला, एलईडी (बल्ब) वितरण, वन क्षेत्र में वृद्धि और जल जीवन शामिल हैं।'

मंत्री ने वीडियो लिंक के माध्यम से अन्य विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा में हिस्सा लिया जो टीके के भंडार तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने और 'कोवैक्स' के तौर पर जानी जाने वाली वैश्विक टीका वितरण योजना के लिए सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी। इसके साथ ही बुधवार को जी7 वार्ता के एजेंडे में मीडिया स्वतंत्रता, मनमाने ढंग से हिरासत में रखना और लड़कियों की शिक्षा शामिल था। अपने होटल के कक्ष से बैठक में शामिल होने की तस्वीर के साथ जयशंकर ने ट्वीट किया, 'जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में साइबर भागीदारी। इतने दूर, फिर भी करीब।÷ जी7 के सत्र के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जयशंकर से बात की और मंत्री ने उन्हें 2030 कार्ययोजना को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'जी7 सत्रों के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का संपर्क करना बहुत अच्छा लगा।' उन्होंने कहा, 'उन्हें आश्वस्त किया कि विदेश सचिव डोमिनिक राब और मैं 2030 कार्ययोजना को आगे बढ़ाएंगे। हमारे संबंधों को लेकर मोदी-जॉनसन नजरिये को अमलीजामा पहनाने के लिये प्रतिबद्ध हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन ने डिजिटल माध्यम से आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान मंगलवार को 'रोडमैप 2030' को पेश किया था जो दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी की दिशा में ले जाने वाला है। जयशंकर के साथ ब्रिटेन गये प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य

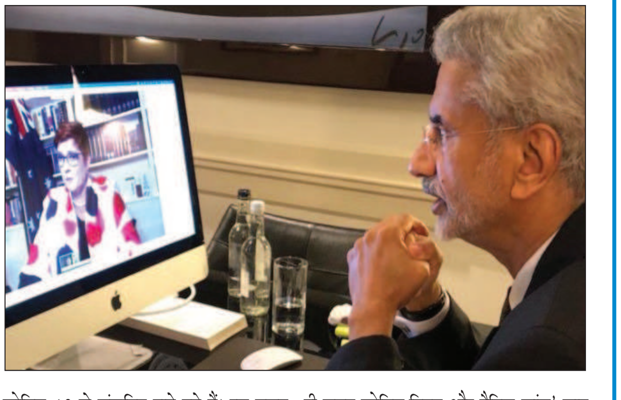

कोविड-19 से संक्रमित पाये गये हैं। इस वजह से एहतियात के तौर पर विदेश मंत्री ने जी7 की बैठक समेत अपने शेष आधिकारिक कार्यक्रमों में डिजिटल तरीके से शामिल होने का फैसला किया। विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि भारतीय मंत्री के व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो पाने का उसे खेद है लेकिन सम्मेलन में 'ऐसे मामलों के लिये ही सख्त कोविड नियम और दैनिक जांच' लागू है। जी-7 समूह के देशों के विदेश मंत्रियों एवं विकास मंत्रियों की बैठक में बतौर अतिथि हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब के आमंत्रण पर जयशंकर सोमवार को लंदन पहुंचे थे। 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी7) में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ही यूरोपीय संघ है।

पाकिस्तानी अदालत ने कुलभूषण जाधव की मौत सजा मामले में भारत से सहयोग मांगा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कुलभूषण जाधव की मौत की सजा के मामले की सुनवाई कर रही पाकिस्तानी की एक शीर्ष अदालत ने भारत से मामले में कानूनी कार्यवाही में सहयोग करने के लिए कहा है। साथ ही उसने कहा कि अदालत में पेश होने का मतलब संप्रभुत्ता में छूट नहीं है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने बुधवार को पाकिस्तान के कानून एवं न्याय मंत्रालय की याचिका पर सुनवाई शुरू की जिसमें जाधव के लिए वकील नियुक्त करने की मांग की गई है।

'डॉन' में प्रकाशित खबर के मुताबिक, अटॉर्नी जनरल खालिद जावेद खान ने पीठ को बताया कि अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत (आईसीजे) के फैसले का पालन करने के लिए पाकिस्तान ने पिछले साल सीजे (समीक्षा एवं पुनर्विचार) अध्यादेश 2020 लागू किया ताकि जाधव वैधानिक उपाय पा सकें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार जानबूझ कर अदालत की सुनवाई में शामिल

नहीं हुई और पाकिस्तान की एक अदालत के समक्ष मुकदमे पर आपत्ति जता रही है तथा उसने आईएचसी की सुनवाई के लिए वकील नियुक्त करने से भी इनकार करते हुए कहा कि यह ''संप्रभु अधिकारों का आत्मसमर्पण करने के समान है।''मामले की सुनवाई को 15 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव (51) को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने जासूसी और आतंकवादी के आरोपों पर अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी।

तालिबानी आतंकियों ने अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े बांध पर किया कब्जा

काबुल। (एजेंसी)।

अपने पुराने गढ़ कांधार में महीनों तक भीषण संघर्ष के बाद तालिबानी आतंकवादियों ने अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े बांध पर कब्जा कर लिया है। आतंकी संगठन और अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दाहला बांध कई नहरों के जरिए सिंचाई और प्रांतीय राजधानी को पीने का पानी उपलब्ध करता है और अब इस पर तालिबान का नियंत्रण हो गया है। तालिबान के प्रवक्ता कारी यूसुफ अहमदी ने एफपी को बताया, 'हमने अरघानदाब में दाहला बांध पर कब्जा कर लिया है। पड़ोसी जिले के गवर्नर हाजी गुलबुद्दीन ने भी इस बात की पुष्टि की है कि बांध पर तालिबान का नियंत्रण हो गया है। उन्होंने कहा, 'हमारे सुरक्षाबलों ने और अधिक बलों की मांग की, लेकिन वे इसे पाने में असमर्थ रहे।' बांध पर कब्जे की यह घटना पिछले सप्ताह पड़ोस के हेलमंद प्रांत में हुई झड़पों के बाद और अमेरिकी सैनिकों की वापसी के कुछ दिन पहले हुई है। कांधार जल विभाग के प्रमुख तूरयालय माहबूबी ने कहा तालिबान ने हाल ही में दाहला कर्मचारियों को काम पर ना जाने की धमकी दी थी। पिछले महीने तालिबान ने पड़ोस के जिले से बांध को जोड़ने वाले पुल को उड़ा दिया था। इस बांध का निर्माण करीब 70 साल पहले अमेरिका ने किया था। कांधार के सात जिलों में इससे सिंचाई की जाती है।

चेतावनी! धरती पर गिरने वाला है चीन के रॉकेट का मलबा, इन देशों पर बढ़ा खतरा

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने अपने 'लांग मार्च 5बी' रॉकेट के मलबों पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है, जो इस हफ्ते पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने वाला है और इस तरह की चिंता जताई जा रही है कि अगर यह बस्ती वाले इलाकों में गिरता है इससे काफी नुकसान हो सकता है। पिछले हफ्ते इस रॉकेट को देश के अंतरिक्ष स्टेशन से प्रक्षेपित किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इस सवालों के जवाब नहीं दिए कि इस तरह की खबरें हैं कि अमेरिका का रक्षा विभाग गिरते रॉकेट के मलबे पर नजर बनाए हुए हैं।

वहीं सरकारी मीडिया ने चीन के विशेषज्ञों के हवाले से कहा है कि विखंडित रॉकेट के कुछ हिस्से समुद्र में गिरेंगे। पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि वह चीन के बड़े रॉकट पर नजर बनाए हुए हैं जो नियंत्रण से बाहर हो गया है और इस सप्ताहांत में पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने वाला है। यह पूछने पर कि गिरते रॉकेट से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए चीन क्या उपाय कर रहा है तो वांग ने कहा कि ''आप सक्षम प्राधिकार से पूछिए।'' उन्होंने कहा, ''सिद्धांत के तौर पर चीन बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल के लिए हम सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।'' चीन ने अपने अंतरिक्ष स्टेशन के कुछ हिस्से को प्रक्षेपित करने के लिए रॉकेट का इस्तेमाल किया था।

अमेरिका के 3 सीनेटरों की बाइडेन प्रशासन से अपील, भारत को कोरोना से जुड़ी मदद तेज करें

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के शीर्ष तीन सीनेटरों ने बाइडेन प्रशासन से भारत को कोविड-19 सहायता तेज़ करने का आग्रह करते हुए कहा कि दक्षिण एशियाई देश में कोरोना वायरस के रोजाना तीन लाख से अधिक मामले आ रहे हैं और मुल्क की स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था इस स्थिति से निपटने में जद्दोजहद कर रही है। संकट से निपटने के वास्ते भारत की मदद के लिए हाल में उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए तीन सीनेटरों ने विदेश मंत्री टॉनी ब्लिंकन को लिखे पत्र में यह भी आग्रह किया है कि प्रशासन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 'कोवैक्स' योजना में मजबूत योगदान देना जारी रखे और इस बात की एक विस्तृत योजना बनाए कि अमेरिका टीके के अपने अधिशेष का वितरण कैसे कर सकता है। सीनेटर मार्क वार्नर, जॉन कॉर्निन और रॉन पोर्टमैन ने चीन और रूस जैसे देशों के टीकों के संबंध में दुष्प्रचार अभियान को लेकर चेताया भी है और गुजारिश की है कि इस तरह के प्रचार का मुकाबला करने के लिए प्रशासन को वह सब करना चाहिए जो वह कर सकता है।

वार्नर और कॉर्निन सीनेट भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं। वार्नर डेमोक्रेटिक पार्टी से आते हैं जबकि कॉर्निन और पोर्टमैन विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी से आते हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि भारत में कोरोना वायरस के तीन लाख से अधिक मामले रोज़ आ रहे हैं और इतने मरीजों के पैदा हो रही चुनौती से निपटने में भारत की स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था और बुनियादी ढांचा

संघर्ष कर रहा है। तीनों सीनेटरों ने लिखा, 'हम आपसे आग्रह करते हैं कि जल्द से जल्द भारत में अधिक जीवन रक्षक उपकरण, टीके और अन्य मदद भेजने के लिए रक्षा विभाग और अन्य अमेरिकी एजेंसियों तथा हमारे अंतरराष्ट्रीय साझेदारों एवं निजी क्षेत्रों के साझेदारों के साथ मिलकर काम करें।' उन्होंने कहा कि अमेरिका को भारतीय सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए और वायरस के स्वरूपों को फैलने से रोकने और भारत के लोगों की सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की अगुवाई जारी रखनी चाहिए।

तीन दिन की सऊदी अरब की यात्रा पर पाक पीएम इमरान खान, क्राउन प्रिंस ने दिया न्यौता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान शुक्रवार को तीन दिन की सऊदी अरब की यात्रा पर रवाना होंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान खान अरब देश के शीर्ष नेतृत्व से द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों पर वार्ता करेंगे। दोनों मुल्क रिश्तों में हाल आए तनाव के बाद इन्हें ठीक करने की दिशा में काम कर रहे हैं। विदेश दफ्तर ने एक बयान में बताया कि खान सऊदी अरब के वलीअहद शहज़ादा (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान के न्यौते पर वहां जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्य शामिल होंगे।

सऊदी नेतृत्व के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत आर्थिक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, पाकिस्तानी कामगारों के लिए नौकरी, वहां पर रह रहे पाकिस्तानी प्रवासियों के कल्याण समेत द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों को कवर करेगी। दफ्तर ने बताया कि इस यात्रा के दौरान कई समझौतों पर दस्तखत किए जाने की उम्मीद है। खान 'इस्लामी सहयोग संगठन' (ओआईसी) के महासचिव यूसुफ अल ओसैमीन, वर्ल्ड मुस्लीम लीग के महासचिव मोहम्मद बिन अब्दुल करीम अल ईसा और मक्का तथा मदीना की दो पवित्र मस्जिदों के इमामों से मुलाकात करेंगे। पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ रिश्तों में 2015 में तब तनाव आ गया था जब पाकिस्तान ने यमन में सऊदी जंग के लिए सैनिक भेजने से मना कर दिया था। यह भी माना जाता है कि पाकिस्तान सऊदी अरब और भारत के बीच गहरे होते रिश्तों से खुश नहीं है।

कोविड-19: अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने भारत की मदद करने वालों की प्रशंसा की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के बीच मदद के लिए अमेरिका से आवश्यक जीवनरक्षक चिकित्सकीय सामग्री के साथ चौथा विमान भारत पहुंच गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस पूरी प्रक्रिया में शामिल लोगों की प्रशंसा करते हुए इसे वीरतापूर्ण प्रयास बताया है। ऑस्टिन ने बुधवार को भारत में अमेरिकी सैन्य विमान की तीन तस्वीरों के साथ ट्वीट किया, ''अब तक हमने 10 लाख रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट, 545 ऑक्सीजन सांद्रक, 1,600,300 एन95 मास्क, 457 ऑक्सीजन सिलेंडर, 440 रेगुलेटर, 220 पल्स ऑक्सीमीटर और 1 डिप्लॉयबल ऑक्सीजन सांद्रक प्रणाली के साथ चार विमान भारत भेजे हैं।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का यह वीरतापूर्ण प्रयास है।'' अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने पत्रकारों को बताया कि यह हमारे मित्र ''भारत'' की मदद के लिए किये जा रहे सरकारी प्रयासों का एक हिस्सा है। इस बीच यूएस इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स (यूएसआईसीओसी) फाउंडेशन ने 32 पोर्टेबल वेंटिलेटर की खेप भेजी। फाउंडेशन अगले कुछ दिनों में कई ऑक्सीजन सांद्रकों के अलावा 25 वेंटिलेटर की तीसरी खेप भी भेजेगा। यूएस इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स ऑफ डल्लास-फोर्ट वर्थ और इंडो-अमेरिका चैम्बर ऑफ ग्रेटर ह्यूस्टन (आईएसीसीजीएच) ने समूचे टेक्सास के भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों के सामूहिक प्रयास के लिए एकसाथ हाथ मिलाया है।

आईएसीसीजीएच के कार्यकारी-संस्थापक निदेशक जगदीप अहलुवालिया ने समुदाय के संगठनों और कारोबारियों को

इस प्रयास का श्रेय दिया। आईएसीसीजीएच अध्यक्ष तरुश आनंद ने कहा, ''भारत में जो कुछ भी हो रहा है वह हृदयविदारक है। यह देखना उत्साहजनक है कि भारतीय अमेरिकी समुदाय भारत के लोगों की मदद के लिए एकजुट हुआ है। कई लोगों ने निजी तौर पर और कई संगठनों ने दान देकर इस प्रयास का समर्थन किया है।'' ह्यूस्टन के उद्यमी और दाउदी बोहरा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले अबीजर तैयबजी ने एक लाख डॉलर की राशि दान में दी है।

अमेरिका के तीन वरिष्ठ सीनेटरों ने बाइडन प्रशासन से कोविड-19 के खिलाफ भारत की मदद बढ़ाने का अनुरोध किया है। सीनेटर मार्क वार्नर, जॉन कॉर्निन और रोन पोर्टमैन ने विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन को पत्र लिखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कोवैक्स योजना में योगदान बढ़ाने का अनुरोध किया है और अमेरिका बची हुई अतिरिक्त टीके की खुराक कैसे वितरित कर सकता है, इस पर विस्तृत रणनीति तैयार करने को कहा है।

कनाडा ने फाइजर का टीका 12वर्ष और इससे अधिक के किशोरों के लिए अधिकृत किया

टोरंटो। कनाडा के स्वास्थ्य नियामक ने 12 और इससे अधिक आयु के किशोरों के लिए फाइजर के कोविड-19 टीके को अधिकृत किया है। हेल्थ कनाडा की मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. सुप्रिया शर्मा ने 12 से 15 साल की उम्र के किशोरों के लिए निर्णय की बुधवार को पुष्टि की और कहा कि इससे बच्चों को सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिलेगी। टीका पहले 16 या उससे अधिक उम्र के लिए अधिकृत था। उम्मीद है कि 'यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' अगले सप्ताह किशोरों के लिए फाइजर के टीके को अधिकृत कर सकता है। इससे अगले स्कूली वर्ष की शुरुआत से पहले इन किशोरों को टीका लगाया जा सकेगा। यह घोषणा ऐसे समय आयी है जब एक महीने पहले ही कंपनी ने पाया था कि उसका टीका कम आयु के बच्चों को भी सुरक्षा प्रदान करता है जो पहले से ही 16 साल और उससे अधिक उम्र के लिए अधिकृत है। फाइजर ने मार्च के अंत में अमेरिका के 12 से 15 वर्ष के 2,260 स्वयंसेवकों पर किये गए एक अध्ययन के प्रारंभिक नतीजे जारी किए थे।

संपादकीय

ममता की चुनौती

आखिरकार ममता बनर्जी ने तीसरी बार पश्चिम बंगाल की बागडोर थाम ही ली। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही उन्होंने कोरोना संकट को प्राथमिकता मानते हुए लॉकडाउन जैसी पाबंदियों की घोषणा कर दी है। ममता ने ऐसे समय पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है जब राज्य में व्यापक हिंसा सामने आई; जिसको लेकर भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के लोगों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया, जिसको लेकर पीएमओ से लेकर गृहमंत्रालय तक हरकत में आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा स्वयं पीड़ितों से जाकर मिले हैं। राज्यपाल ने भी शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री के सामने कानून व्यवस्था को प्राथमिकता देने की नसीहत दी है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में चुनाव के पहले और बाद में राजनीतिक हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। यूं तो राजनीतिक हिंसा चुनाव से पहले होती रही है, लेकिन इस बार उसके बाद हुई है। जाहिर है हिंसा मतदान की दिशा को प्रभावित करने की कोशिश में की जाती रही है। दरअसल, इस बार केंद्र ने समय रहते केंद्रीय सुरक्षा बलों को पश्चिम बंगाल में तैनात कर दिया था, जिसके चलते चुनाव से पहले और दौरान तो हिंसा नहीं हो पायी लेकिन अब चुनाव परिणाम आने के बाद सबक सिखाने के मकसद से विपक्षी भाजपा के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, सोमवार को ममता बनर्जी ने टीएमसी समर्थकों से हिंसा रोकने की अपील तो की लेकिन साथ इसके लिये भाजपा को जिम्मेदार बता दिया। कोरोना संकट के दौरान इस तरह के आरोप-प्रत्यारोपों से बचने की जरूरत है। इसे रोकने की दोतरफा पहल करने की जरूरत है। दोनों दलों को मिलकर अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने और हिंसा का सहारा न लेने को बाध्य करना चाहिए। साथ ही समर्थकों में स्पष्ट संदेश भी जाना चाहिए कि यदि किसी ने लक्ष्मण रेखा लांघने की कोशिश की तो कानून अपना काम करेगा। दरअसल, ऐसे हमले करने वालों को राजनीतिक संरक्षण मिलने से ही समस्या विकट होती है। जैसा कि ममता बनर्जी कह रही हैं कि पश्चिम बंगाल एकता का राज्य है, तो वह एकता राजनीतिक व्यवहार में नजर आनी चाहिए। ऐसी स्थिति में जब पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य साफ हो गया है और ममता बनर्जी ने शपथ भी ले ली है, इस तरह की अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिये सख्त कदम उठाये जाने की जरूरत है। दो दर्जन से अधिक लोगों की हत्या के बाद प्रधानमंत्री ने भी राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था के बाबत राज्यपाल जगदीप धनखड़ से नाराजगी जतायी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी हिंसा पर रिपोर्ट मांगी है। अजीब बात है कि देश के तीन अन्य राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हाल में चुनाव हुए लेकिन कहीं से बड़ी हिंसा की कोई खबर नहीं आयी। जाहिर है पश्चिम बंगाल की धरती पर स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के विकास में राजनीतिक दल चूके हैं। जाहिर बात है कि यदि किसी राज्य में चुनाव के दौरान हिंसा होती है तो स्वतंत्र मतदान को प्रभावित करने का प्रयास बलपूर्वक किया जाता है। अपने आकाओं के पक्ष में मतदान करने के लिये मतदाताओं को डराने धमकाने का प्रयास किया जाता है। चुनाव के बाद की हिंसा भी यही बताती है कि लोगों ने उनकी इच्छा के अनुसार मतदान नहीं किया। यूं तो यही हिंसा कांग्रेस के शासनकाल में होती थी, फिर वही स्थिति वामदलों की सरकार के दौरान देखने को मिली। तब ममता वाम दलों की सरकार पर हिंसा फैलाने का आरोप लगाती थी। अब ऐसे ही आरोप उनकी पार्टी पर लग रहे हैं। राजनीतिक दल बदले हैं लेकिन राजनीति का चरित्र वही रहा। यदि राजनीतिक दल ईमानदारी और सख्ती से ऐसी हिंसा को रोकने का प्रयास करें तो कोई वजह नहीं है कि ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश न लग सके।

बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में दो मई को चुनाव परिणाम आने से लेकर बुधवार पांच मई को तृमूकां नेता ममता बनर्जी के शपथ ग्रहण तक हुई राजनीतिक हिंसा और उसे लेकर हुई आरोपबाजी पर आप विश्वास करते हैं तो आप या तो बहुत भोले हैं या देश में सोशल मीड़िया या कहें कि मीड़िया के एक वर्ग द्वारा बना दिए गए माहौल के पूरे प्रभाव में हैं। दो दिन तक वह घमासान मचा कि एक बार तो लगने लगा कि ममता के शपथ लेने से पहले ही तीसरी बार लगातार उन्हें दो तिहाई से भी अधिक बहुमत से सत्ता सौंपने वाली प. बंगाल की जनता राष्ट्रपति शासन के तहत शासित होने पर मजबूर न हो जाए। चुनावी मुकाबले में दूसरे नंबर पर रहने वाली भाजपा के दो दफ्तर तो दो मई को ही जला दिए जाने की खबर आ गई थी। उसके बाद भाजपा समर्थकों के घरों में तोड़फोड़, मारपीट, हत्या और बलात्कार की खबरें आई। आरोप लगाया गया कि 14 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गईग सैकड़ों घरों में तोड़फोड़ की गई, दो महिलाओं से बलात्कार के भी आरोप लगाए गए। कहा गया कि सारी हिंसा ममता के उकसावे पर तृमूकां कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही है। याद दिलाया गया कि अपनी चुनावी रैलियों में ममता ने केंद्रीय बलों पर केंद्र के इशारे पर तृणमूल समर्थकों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा था कि केंद्रीय बल दो मई तक ही बंगाल में रहेंगे उसके बाद तो हम विरोधियों से निपट लेंगे। चुनावी रैली में कही गई बात के आधार पर उन्हें विलेन ठहरा देना कहां तक न्यायोचित है। हालांकि ममता ने दो मई को नंदीग्राम में शालीनता से अपनी हार स्वीकार करते हुए इस बात पर हैरानी जताई थी कि पूरा राज्य एकतरफा जनादेश दे रहा है और एक विधानसभा सीट इससे उलट परिणाम दे रही है। ऐसा कैसे हो सकता हैग मामले को कोर्ट में चुनौती द जाएगी। ममता बनर्जी लगातार यह कहती रही हैं कि नई सरकार के शपथ ग्रहण तक राज्य की सत्ता चुनाव आयोग द्वारा तैनात किए गए अफसरों के ही संचालन में रहती है फिर हिंसा पर काबू पाना किसकी जिम्मेदारी है। ममता के शपथ ग्रहण में उन्हें संविधान के अनुपालन का पाठ पढ़ाते राज्यपाल और ममता के तुर्की ब तुर्की जवाब अच्छा संकेत नहीं हैं।

कटाक्ष/सहीराम

विकास तो हो रहा है

विकास तो हो रहा है जी, लेकिन श्मशानों का। वहां नये प्लेटफॉर्म बन रहे हैं। कुछ नये श्मशान भी बन रहे हैं। सत्तर साल से उनकी बड़ी अनदेखी हो रही थी। कोरोना ने मौका दिया है तो विकास हो रहा है। ऐसे ही जैसे जनता कभी-कभी विकास करने वाली सरकार को मौका दे देती है। कोरोना था और यह भी पता था कि वह एक-दो दिन का मेहमान नहीं है, तो भी हमने उससे निपटने के लिए नये अस्पताल नहीं बनाए। लेकिन अब नये श्मशान घाट बना रहे हैं, और श्मशान घाटों में नये प्लेटफार्म बना रहे हैं। हम सेंट्रल विस्टा में नया संसद भवन तो बनाने पर आमादा रहे, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के लिए नया आवास तो बनाने पर आमादा रहे। लेकिन हमने नये अस्पताल नहीं बनाए। अब श्मशान बना रहे हैं। श्मशानों का विकास वैसे भी बहुत पिछड़ गया था। चुनावों में उनका जिक्र तक नहीं आता था। ज्यादा से ज्यादा इस बात पर छाती पीटी जा सकती थी बिजली कब्रिस्तानों को ही क्यों मिलेग श्मशानों को भी तो मिलनी चाहिए। कुछ-कुछ उसी तरह का मामला था कि सब्सिडी सिर्फ हज के लिए ही क्यों मिले। शिकायत अपनी जगहग लेकिन इससे साबित हो रहा था कि श्मशान पिछड़ रहे हैं। अब देर से ही सही उनका विकास हो रहा है।

हम रामजी का मंदिर तो बनवा रहे थे। लेकिन मंदिर की तरह नहीं, बल्कि विजय स्तंभ की तरह। लेकिन अस्पताल नहीं बनवा रहे थे। सो, अब श्मशान घाट बनाने पड़ रहे हैं। हमने अरबों खर्च कर अपने आदर्श नेताओं की मूततयां तो बनवाई लेकिन अस्पताल नहीं बनवाए। इसलिए अब श्मशान बनवा रहे हैं। शानदार, विशाल और भव्य पार्टी कार्यालय तो बनवाए और उसी तरह बनवाए जैसे संत-महंत अपने भव्य आश्रम बनवाते हैं, लेकिन हमने अस्पताल नहीं बनवाए। इसलिए अब श्मशान बनवा रहे हैं। हम सड़कें तो बना रहे थेग हाईवे तथा एक्सप्रेसवे तो बना रहे थे और उसी को असली विकास भी बता रहे थे, लेकिन अस्पताल नहीं बनवा रहे थे। सो, अब श्मशान बनवा रहे हैं। हम बुलेट ट्रेन तो ला रहे थे लेकिन अस्पताल नहीं बनवा रहे थे। सो, अब श्मशान बनवा रहे हैं। हमने आईटी सेल तो बनाए, ट्रॉल सेनाएं भी खड़ी कीं और भक्त तो खूब ही बनाए। पर डॉक्टर नहीं बनाए। सो, अब श्मशान बना रहे हैं। जब स्कूल-कॉलेज ही नहीं बनवाए, शिक्षण संस्थान ही नहीं बनवाए तो हम अस्पताल भी क्यों बनवाते। बल्कि हम तो जब बनी बनाई सरकारी कंपनियों को बेच रहे हैं, रेल बेच रहे हैं, बदंरगाह बेच रहे हैं, तो जो बने हुए अस्पताल हैं, उन्हें भी बेच देंगे। आपकी नजर में है कोई खरीददार?

संक्रमण थमेगा, तभी कारोबार जमेगा

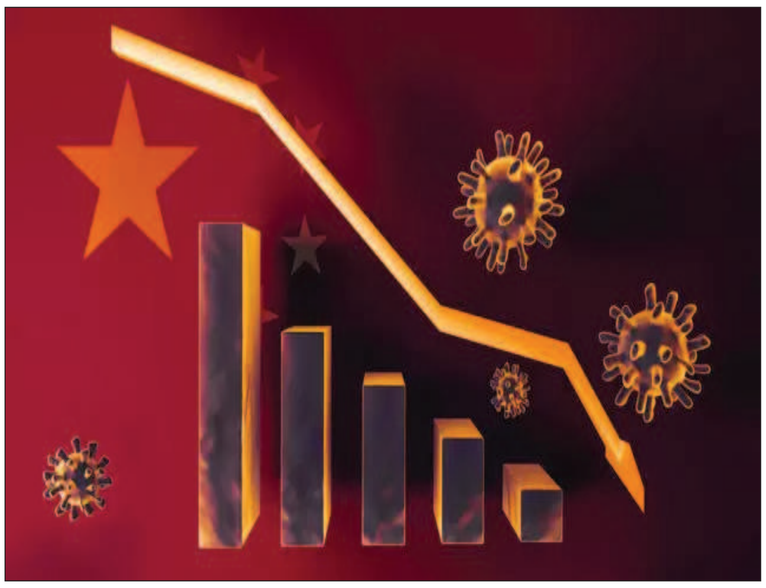

अरुण कुमार

अब सरकार को भी लग गया है कि कोरोना वायरस की जो दूसरी लहर आई है, वह बहुत घातक साबित हो रही है और इसका अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ रहा है। पूरी तरह से लॉकडाउन नहीं लगा है, लेकिन असंगठित क्षेत्र की कंपनियों पर कुछ ज्यादा ही असर पड़ा है। ऑटोमोबाइल व अन्य कुछ क्षेत्रों में अनेक छोटी कंपनियों ने अपने काम बंद कर दिए हैं। असर सभी पर है, लेकिन असंगठित क्षेत्र पर ज्यादा है और इसीलिए पलायन भी दिख रहा है। सबसे पहले तो जो पैकेज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिया है, इसको हमें सरकार का पैकेज नहीं मानना चाहिए। सरकार अलग है और आरबीआई अलग है। भारतीय रिजर्व बैंक ऋण के मोर्चे पर कोशिश कर रहा है कि असंगठित क्षेत्र को कारोबार जारी रखने के लिए पैसा मिले, जिससे असंगठित क्षेत्र की इकाइयों की स्थिति और न बिगड़े। जो छोटे कारोबारी होते हैं, उनके पास पूंजी बहुत कम होती है और वह जल्दी खत्म हो जाती है। जब ऐसी इकाइयों में काम बंद होता है, तब इनके लिए खर्च निकालना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसी कंपनियों को फिर शुरू करना भी कठिन होता है। इसीलिए छोटे कारोबारियों को पैकेज दिया गया है कि वे बैंक से ऋण ले सकें, लेकिन इससे स्थिति नहीं सुधरेगी। अभी तो और भी इकाइयां बंद हो रही हैं। जब तक संक्रमण की स्थिति नहीं संभलेगी, तब तक ये इकाइयां खुल भी नहीं पाएंगी। यह पैकेज बंद हो रही इकाइयों को थामने की कोशिश है, लेकिन इससे अभी अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं आएगा। हमलोग लॉकडाउन की ओर बढ़ रहे हैं, अभी अर्थव्यवस्था के दूसरे क्षेत्रों पर असर पड़ेगा, मैन्युफेक्चरिंग क्षेत्र पर असर पड़ेगा। इस समय में आपूर्ति श्रृंखला फिर से टूट रही है, जबकि हमने अभी तक पूरा लॉकडाउन नहीं लगाया है। चयनित लॉकडाउन हो रहा है, इससे आपूर्ति में भी समस्या आने लगी है। जगह-जगह उत्पादों की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो उत्पादकों को उत्पादन भी बंद करना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की भूमिका अभी सीमित है, उसकी कोशिश है कि व्यवसाय अभी लॉकडाउन की वजह से नाकाम न हों। यहां राहत दो तरह से मिल सकती है, या तो अभी काम जारी रखने के लिए ऋण मिल जाए या बैंक अभी ऋण की वसूली न करें। लेकिन इससे अर्थव्यवस्था में मांग तत्काल नहीं बनेगी और आपूर्ति में कोई विशेष सुधार नहीं आएगा।

> “यह साल खतरे से खाली नहीं है। अब सरकार को आगे आकर इसमें जहां-जहां काम रुक गया, बेरोजगारी बढ़ी है, वहां-वहां मदद करनी चाहिए। गरीब लोगों को इस वक्त मदद की बहुत जरूरत है।”

तो हमारी क्या रणनीति होनी चाहिए? हम देखते हैं, जहां भी विदेशी सरकारों ने कड़ाई से लॉकडाउन लगाया, वहां स्थितियां तेजी से ठीक होने लगीं। जैसे चीन है, उसने शुरू में ही संभाल लिया और ब्रिटेन ने एक सप्ताह की देरी कर दी, तो लेने के देने पड़ गए। लॉकडाउन लगाने में जहां भी देरी होगी, वहां दूसरी लहर देर तक चल रही है और जहां भी जल्दी लॉकडाउन लगता है, दूसरी लहर भी जल्दी काबू में आ जाती है। संक्रमण को आपने थाम लिया, तो आप अर्थव्यवस्था को जल्दी उबार सकते हैं। इसलिए मार्च से मैं कह रहा हूं, लॉकडाउन कर देना चाहिए। जिससे संक्रमण के मामले बढ़े नहीं। मामले बढ़ते ही इसलिए हैं कि लोग आपस में मिलते-जुलते हैं। जब लॉकडाउन लगा दिया जाता है, तब दो सप्ताह बाद मामले घटने लगते हैं। हमारे यहां फरवरी में दूसरी लहर शुरू हो गई थी, तीन महीने होने जा रहे हैं। लॉकडाउन न लगाने का खामियाजा यह है कि हमारे यहां रिकॉर्ड संख्या में मामले निकल रहे हैं और लोगों की जान भी जा रही है। चूंकि हमने अभी तक लॉकडाउन नहीं लगाया है, इसलिए मामले अभी भी बढ़ने की आशंका है। एक दिक्कत यह भी है कि आंकड़े पूरे आते नहीं हैं या उपलब्ध नहीं कराए जाते। आज चिकित्सा व्यवस्था को बहुत तेजी से सुधारने की जरूरत है। इसके लिए भी रिजर्व बैंक ने एक पैकेज दिया है। मेडिकल ढांचा विकसित करने के लिए विशेष ऋण की जरूरत पड़ेगी, उसे इस विशेष पैकेज के जरिए मुहैया कराया जाएगा। मेरा मानना है, ऐसा चिकित्सा ढांचा विकसित करने में समय लगता है, इसलिए सेना को बुला लेना चाहिए। सेना के पास अस्पताल भी होते हैं और परिवहन के साधन भी। सेना अगर आ जाए, तो राहत मिल सकती है। हमें तत्काल मदद की जरूरत है। अभी विदेश से काफी सहायता आ रही है, जैसे कोई दवा दे रहा है, तो कोई ऑक्सीजन टैंक दे रहा है। आ रही मदद को हमें बढ़ा देना चाहिए। चिकित्सा क्षेत्र में आयात बढ़ाने के लिए हमें अपनी कोशिशों का विस्तार करना चाहिए। रिजर्व बैंक ने जो पैकेज घोषित किया है, वह अच्छा है, लेकिन तत्काल उससे फायदा नहीं होगा। सेना और आयात, दोनों से मदद लेनी पड़ेगी।

अभी संपूर्ण लॉकडाउन नहीं है। संक्रमण गांव-गांव पहुंच गया है, जहां चिकित्सा ढांचा मजबूत नहीं है। जहां जांच भी आसानी से नहीं हो पा रही है। गांव-गांव तक चिकित्सा ढांचा विकसित करना भी अभी किसी आफत से कम नहीं है। अभी संक्रमण को तत्काल रोकने की जरूरत है। ऐसे में, टीकाकरण भी काम नहीं आएगा। अभी तक नौ प्रतिशत लोगों को ही एक खुराक नसीब हुई है। हम वैक्सीन भी कम उत्पादित कर रहे हैं, क्योंकि हमारे पास उसके लिए पूरी सामग्री भी नहीं है। हम अभी हर महीने पंद्रह करोड़ लोगों को वैक्सीन देने की स्थिति में नहीं हैं। यह साल खतरे से खाली नहीं है। अब सरकार को आगे आकर इसमें जहां-जहां काम रुक गया, बेरोजगारी बढ़ी है, वहां-वहां मदद करनी चाहिए। गरीब लोगों को इस वक्त मदद की बहुत जरूरत है। मुफ्त अनाज, इलाज जरूरी है। गरीब लोग पिछले साल बड़ी मुसीबत में चले गए थे। उस तरह का संकट अगर फिर आया, तो बहुत ज्यादा परेशानी हो जाएगी। अभी लोग संक्रमण से ही परेशान हैं और जब खाने-पीने का अभाव होगा, तो लोगों की परेशानी बहुत बढ़ सकती है। विशेषज्ञ बता रहे हैं, करीब 70-80 लाख लोगों ने रोजगार गंवाया है, पर मेरा मानना है कि इससे दस गुना ज्यादा लोगों ने काम गंवाया है। गांवों से जो खबरें आ रही हैं, वे भयावह हैं। इसका असर कृषि पर भी पड़ेगा। सरकार को गांवों तक मदद पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए। लोगों की हताशा-निराशा को दूर करने के लिए सरकार को ही कदम उठाने पड़ेंगे। आरबीआई के कदम कुछ दूर तक कारगर होंगे, लेकिन बाकी सब सरकार को ही करना पड़ेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आपराधिक लापरवाही

तंत्र की चूक से घातक होती महामारी

लक्ष्मीकांता चावला

कितना अच्छा होता हमारे भारत के सर्वोच्च न्यायालय सहित सभी राज्यों के उच्च न्यायालय कोरोना मरीजों की चिंता और सरकार की अनदेखी पर प्रतिक्रिया बहुत पहले कर लेते। हमारे न्यायाधीश स्वास्थ्य सेवाओं विशेषकर ऑक्सीजन की कमी से मरते लोगों को देखकर बेहद दुखी, चिंतित और सचमुच अशांत हो गए हैं। इसी का यह परिणाम है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह कहा कि ऑक्सीजन के अभाव में जो लोग मारे गए वह नरसंहार है, जिसके लिए किसी को क्षमा नहीं किया जा सकता। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने फैलते कोरोना और बेबस मरते रोगियों को देखकर यह कहा था कि चुनाव आयोग पर क्यों न हत्या का आपराधिक केस दर्ज किया जाए। उनका संकेत पांच राज्यों में चुनाव के नाम पर बड़े-बड़े जलसे, रैलियां, कोरोना से बचने के लिए बनाए सारे नियमों की देश के माननीयों द्वारा धज्जियां उड़ाने की ओर था। चुनाव आयोग मद्रास हाईकोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी की शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। तब सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीशों ने बहुत सटीक कहा कि मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी को कड़वी दवा समझकर पचा जाइए। उसमें कुछ बुरा नहीं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने तो भारत सरकार को फटकार लगाते हुए यह भी कह दिया कि शुतुरमुर्ग की तरह आप रेत में सिर धंसाइए, हम नहीं। माननीय न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि आप अंधे हो सकते हैं, न्यायालय नहीं। दिल्ली सरकार द्वारा अस्पतालों के लिए मांगी गई ऑक्सीजन पूरी मात्रा में न देने और बार-बार देश में रोगियों की ऑक्सीजन के अभाव में मृत्यु होने से न्यायालय बहुत दुखी था। अब प्रश्न यह पैदा होता है कि देश की यह हालत कैसे हो गई? पहले तो रोगी अस्पताल में उपचार पाने के लिए दाखिल होना चाहता है, वहां जगह नहीं मिलती और अति दुखद लज्जाजनक कि कोरोना से इतने लोग मारे गए कि अब श्मशान घाटों और कब्रिस्तानों में भी कोई जगह शेष नहीं बची।

विश्वविख्यात लासेंट पत्रिका ने बहुत पहले ही सावधान कर दिया था। मार्च, 2021 में जब संक्रमण की दूसरी लहर आरंभ हो गई तब यह बता दिया गया था कि मध्य मई में कोरोना के भारत में विस्फोटक होने का अनुमान है। यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन अमेरिका में एपिडेमियोलॉजी की प्रो. बी. मुखर्जी ने यह लगभग भविष्यवाणी ही कर दी थी कि भारत में संक्रमण के प्रतिदिन आठ से दस लाख नए केस आ सकते हैं तथा कोविड से औसतन चार हजार से ज्यादा मौतें प्रतिदिन हो सकती हैं। अफसोस यह कि ऐसी अनेक चेतावनियों को अनदेखा कर भारत सरकार ने यह विश्वास कर लिया था कि अब भारत कोरोना पर विजय प्राप्त कर चुका है। जनवरी, 2021 में ही भारतीय वैक्सीन का नौ कंपनियों से करार हो गया और भारत ने बहुत से देशों को वैक्सीन मुफ्त दी या बेची। जानकारी यह भी है कि मेडिकल ऑक्सीजन का निर्यात भी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो गुणा कर दिया। इसी का यह दुखद दुष्परिणाम है कि अब अपने देश में स्थिति भयानक हो गई। वैक्सीन व ऑक्सीजन की कमी बहुत बुरी तरह बढ़ गई। अनेक व्यक्ति देश में ऑक्सीजन के अभाव में तड़प-तड़प कर मर गए।

प्रश्न यह पैदा होता है कि देश का नेतृत्व विश्वस्तरीय जानकारी और चेतावनी के बाद भी क्यों अपनी वैक्सीन और ऑक्सीजन दुनिया को दान देता रहा। संभवत: हम विश्व बंधुत्व की बात करते हुए दानवीर बन रहे थे। इतना ही नहीं, कोरोना बढ़ता गया, लोग मरते गए, परिवार अनाथ होते गए, पर हमारे देश के राजनीतिक नेता एक लक्ष्य लेकर ही चले। वह लक्ष्य था चुनावों में विजय प्राप्त करना। संभवत: चुनावी विजय ही जनता की जिंदगी से अधिक महत्वपूर्ण हमारे नेताओं के लिए हो गई। देश के धर्मगुरु भी न जाने किस धर्म की बात करते हुए कभी कुंभ, कभी महापुरुषों के जन्मदिन, कभी बड़े-बड़े नगर कीर्तन और उत्सव मनाने में लगे रहे। उत्तराखंड में कुंभ के साथ-साथ ही कोरोना भी फैल गया।

उन लोगों से भी शिकायत है जो डाक्टरों से या मेडिकल स्टाफ से उलझते हैं। थोड़े साधनों में, थोड़े स्टाफ के साथ डाक्टर और मेडिकल स्टाफ अपने जीवन और परिवार को खतरे में डालकर काम कर रहे हैं। असली दोषी तो वे हैं जो भारत की स्वतंत्रता के 74 वर्ष बीत जाने पर भी देश की स्वास्थ्य सेवाओं को विश्वस्तरीय नहीं बना पाए। कुछ ऐसे भी प्रांत हैं जहां अस्पतालों के बड़े-बड़े भवन तो खड़े कर दिए, पर डाक्टरों तथा मेडिकल स्टाफ की कमी है। मशीनें धूल फांक रही हैं, चलाने वाला कोई नहीं। सीधी बात यह है कि जब तक इस देश में यह नियम नहीं बनेगा कि सभी माननीय बने नेता बड़े-बड़े अस्पतालों में मुफ्त इलाज नहीं करवा सकेंगे, केवल सरकारी अस्पतालों में उनका इलाज होगा तब तक सरकारी अस्पतालों की दुर्गति रहेगी ही। ये माननीय बीमार होते ही जनता द्वारा दिए टैक्सों के सहारे देश के सुप्रसिद्ध अस्पतालों या विदेश में उपचार करवाने के लिए पहुंच जाते हैं। जनता के दिए गये टैक्स से ये अपना इलाज करवाते हैं और जनता बेचारी कभी बिना दवाई, कभी बिना ऑक्सीजन के तड़प-तड़प कर मरती है।

विडंबना, जनता में भी वे लोग हैं जो बीमार और मजबूरों का खून चूसते हैं अपनी जेब भरने के लिए। ऑक्सीजन की कालाबाजारी, वैक्सीन और ऑक्सीमीटर, रेमडेसिविर इंजेक्शन जैसे जीवनरक्षक उपकरणों की कालाबाजारी हो रही है। यहां तक कि अगर डॉक्टर नीबू या फलों का प्रयोग करने को कहें तो नीबू का रेट भी चार गुणा और फलों का भाव भी आकाश छूने लगा। सरकार तुरंत जागे।

आलेख

हकीकत बने वैक्सीन हब बनने का मौका

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय देश और दुनिया में कोरोना की दूसरी घातक लहर के बीच कोरोना वैक्सीन पहली अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। स्थिति यह है कि भारत सहित ब्राजील, ईरान, तुर्की, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया, पेरू सहित दुनिया के अधिकांश देश कोरोना महामारी के हॉटस्पॉट बने हुए हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि जहां गरीब देशों में 500 लोगों में से एक व्यक्ति को कोरोना का टीका लगा है, वहीं अमीर देशों में हर चार में से एक व्यक्ति को टीका लग चुका है। कोरोना से 30 फीसदी मौतें गरीब और मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं। इन देशों में कोरोना वैक्सीन शीघ्रतापूर्वक उपलब्ध होने से ही दुनिया अकल्पनीय मानवीय और आर्थिक त्रासदियों से बच सकेगी।

ऐसे में निश्चित रूप से जहां भारत में सरकार द्वारा एक ओर देश में कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति सभी लोगों तक न्यायसंगत रूप से सुनिश्चित की जानी होगी, वहीं कोरोना वैक्सीन की वैश्विक जरूरत को पूरा करने हेतु वैक्सीन उत्पादन में अमेरिका सहित अन्य देशों के सहयोग और अधिकतम उत्पादन क्षमता की नई रणनीति से कोरोना वैक्सीन के वैश्विक हब बनने की संभावनाओं को मुट्ठियों में लेना होगा। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में 30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सभी लोगों को मुफ्त कोरोना वैक्सीनेशन की सुविधा दिए जाने हेतु विचार करे।

गौरतलब है कि 26 अप्रैल को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच टेलीफोन वार्ता में जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिका भारत के लिए कोरोना वैक्सीन के उत्पादन से संबंधित आवश्यक कच्चे माल की आपूर्ति पर लगी रोक को हटाते हुए इसकी सरल आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। बाइडेन ने यह भी कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी की शुरुआत में भारत ने अमेरिका को मदद भेजी थी, उसी तरह अब अमेरिका भी भारत की मदद के लिए कटिबद्ध है। ऐसे में भारत के लिए अमेरिका की नई मदद भारत को कोरोना वैक्सीन निर्माण के नए मुकाम की ओर तेजी से आगे बढ़ाएगी।

इतना ही नहीं, दुनिया के शक्तिशाली संगठन क्वाड ग्रुप के चार देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत द्वारा भारत में वर्ष 2022 के अंत तक कोरोना वैक्सीन के सौ करोड़ डोज़ निर्मित कराने और इस कार्य में भारत को वित्तीय व अन्य संसाधन जुटाकर सहयोग करने का जो निर्णय लिया है, इससे भी भारत के दुनिया की कोरोना वैक्सीन महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद मिलेगी ।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोई एक वर्ष पहले देश में कोरोना की पहली लहर शुरू होने पर कोरोना रोकथाम के लिए वैक्सीन की शोध शुरू हुई थी, देखते ही देखते एक वर्ष में यह शोध सफलतापूर्वक पूरी हुई और देश में कोरोना वैक्सीन का उत्पादन भी शुरू हो गया। देश में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रोजेनेका के साथ मिलकर बनाई गई सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की 'कोविशील्ड' तथा स्वदेश में विकसित भारत बायोटेक की 'कोवैक्सीन' को दुनियाभर में सबसे प्रभावी वैक्सीन के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। इन दोनों वैक्सीनों का उपयोग 16 जनवरी से शुरू हुए देशव्यापी टीकाकरण अभियान में किया जा रहा है। देश में दो मई तक कोरोना वैक्सीन की 15 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत कोरोना वैक्सीन का भी वैश्विक स्तर पर बड़ा सप्लायर बनने की तैयारी कर रहा है। इस दिशा में नीतिगत स्तर पर 15 अप्रैल को सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशंस (सीडीएससीओ) की तरफ से कई अहम फैसले लिए गए हैं। वैक्सीन उत्पादन से जुड़े कच्चे माल का आयात करके बड़ी मात्रा में कोरोना वैक्सीन का निर्यात भी किया जा सकेगा। अब शीघ्र ही विदेशी कंपनियां भारत में अपनी सब्सिडियरी या फिर अपने अधिकृत एजेंट के माध्यम से वैक्सीन का उत्पादन कर सकेंगी। ज्ञातव्य है कि हैदराबाद की प्रमुख दवा कंपनी डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज (डीआरएल) कोविड-19 के लिए रूस में तैयार टीका स्पूतनिक-वी के लिए भारतीय साझेदार है। शुरुआत में स्पूतनिक-वी का आयात किया जाएगा और इस वैक्सीन की पहली खेप एक मई को प्राप्त हुई है। कुछ समय बाद स्पूतनिक-वी का 60 से 70 फीसदी वैश्विक उत्पादन भारत में होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने कोरोना टीका के उत्पादन व वितरण की जो रणनीति बनाई है। उसके तहत राज्य सरकारों को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपनी उपयुक्तता के अनुरूप कोरोना टीका उत्पादक देशी या विदेशी कंपनियों से टीके की खरीद तथा अपने प्रदेश में टीका लगाने संबंधी उपयुक्त निर्णय ले सकेंगी। राज्यों के लिए जहां कोविशील्ड बना रही सीरम इंस्टिट्यूट ने कोरोना वैक्सीन की कीमत कम करके प्रति डोज 400 रुपये की जगह 300 रुपये की है, वहीं भारत बायोटेक ने भी कोरोना वैक्सीन की कीमत 600 रुपये प्रति डोज से घटाकर 400 रुपये कर दी है।

ज्ञातव्य है कि देश में सरकार के समर्थन से दुनिया की सबसे बड़ी टीका विनिर्माता सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया अपनी मासिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 20 करोड़ खुराक कर सकती है। भारत बायोटेक सालाना 70 करोड़ खुराक की उत्पादन क्षमता तथा जाइडस कैडिला सालाना उत्पादन क्षमता 24 करोड़ खुराक करने की डगर पर आगे बढ़ सकती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि सरकार ने कोरोना टीकाकरण में अहम भूमिका निभाने वाली दो भारतीय टीका निर्माता कंपनियों सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को क्रमश: 3,000 करोड़ रुपये और 1,500 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि दी जानी सुनिश्चित की है।

लाइलाज नहीं ब्रेन ट्यूमर

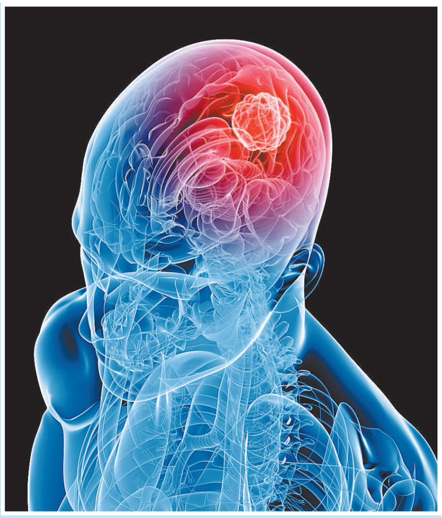

ब्रेन ट्यूमर दिमाग में होनेवाली गांठ है, जो कैंसरस भी हो सकती है और नॉन कैंसरस भी. आज चिकित्सा के क्षेत्र में हुई तकनीकी विकास के कारण विभिन्न जांचों की सहायता से इसकी सही स्थिति का अनुमान सहज लगाना संभव है, साथ ही सर्जरी की आधुनिक विधियों से इसका पूरा उपचार भी संभव है.

माइग्रेन भी है लक्षण

माइग्रेन भी ब्रेन ट्यूमर के प्रारंभिक लक्षणों में से एक हो सकता है. हालांकि यह पुरुषों से अधिक महिलाओं में होता है. माइग्रेन अटैक यदि महीने में चार या पांच बार आता है और अटैक के पैटर्न में कोई बदलाव नजर आता है, तो यह ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है. अतः तुरंत डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन व एमआरआइ आदि जांच कराएं ताकि सही कारणों का पता लग सके और समय रहते इलाज शुरू हो सके.

जेनेटिक भी संभव

यदि परिवार में किसी को पहले से ब्रेन ट्यूमर है, तो परिवार के अन्य सदस्यों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. गर्भावस्था में भी कुछ टेस्टों की मदद से यह पता लगाया जा सकता है कि गर्भ में पल रहे बच्चे को कौन-सी बीमारी है. गर्भ में ही इन बीमारियों का इलाज भी संभव है. अतः आप पहले से ही सावधानी बरतें.

सर्जरी की प्रक्रिया व लाभ

यह सर्जरी अत्यंत सुरक्षित और कारगर है. इस सर्जरी में अन्य सर्जरी के मुकाबले मस्तिष्क में छोटा छिद्र किया जाता है, जिससे इंडोस्कोप को मस्तिष्क के अंदर भेजा जा सके. इस सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस तकनीक का इस्तेमाल करके दिमाग के रिट्रैक्शन से बचा जा सकता है, क्योंकि अन्य तकनीक के मुकाबले इस प्रक्रिया में कम रिट्रैक्शन होता है.

इस सर्जरी में टिशू भी आसानी से दिखाई देते हैं, जिससे इलाज करने में काफी आसानी होती है. इस सर्जरी में 6 एमएम का एक अति महीन छिद्र किया जाता है. मस्तिष्क के अंदर पाये जानेवाले कोलॉयड सिस्ट ही ट्यूमर को जन्म देते हैं. ये दिमाग के संवेदनशील क्षेत्र में स्थित होते हैं और इनके आकार में वृद्धि होने पर ये खतरनाक होते जाते हैं. इंडोस्कोप को छिद्र के माध्यम से मस्तिष्क में पहुंचा कर कोलॉयड सिस्ट को पूरी तरह से हटाया जाता है. सर्जरी की प्रक्रिया बेहद छोटी और कष्टरहित होती है.

बरतें सावधानी

इस रोग में अपने खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है. वजन को नियंत्रित रखें. इसके अलावा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है. इसके कारण शरीर के अन्य हिस्सों पर भी प्रभाव पड़ता है. इसके दौरान दिमाग पर सूजन होना भी आम बात है. अत ट्रीटमेंट के दौरान भी सावधानी बरतें.

इंडोस्कोपिक सर्जरी है कारगर

अब ब्रेन ट्यूमर जानलेवा बीमारी नहीं रह गयी है, क्योंकि वर्तमान में ब्रेन ट्यूमर का संपूर्ण इलाज संभव है बशर्ते समय पर उपचार शुरू किया जाये. चिकित्सक बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए कई तकनीकें ईजाद हो चुकी हैं, जिनमें रेडियो सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, रोबोटिक सर्जरी प्रमुख हैं. इन तकनीकों से ब्रेन ट्यूमर का इलाज काफी सुरक्षित और कारगर माना गया है.

ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए वर्तमान में सबसे ज्यादा प्रचलित इंडोस्कोपिक सर्जरी है. यह सर्जरी कष्टरहित तो है ही, साथ ही इसके परिणाम भी अन्य सर्जरी से काफी बेहतर आते हैं.

सीटी स्कैन के प्रभाव

ब्रेन कैंसर कितना बढ़ गया है या उसकी क्या स्थिति है, यह जानने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआइ, एक्स-रे और एंजियोग्राम की मदद ली जाती है. ट्यूमर की शंका होने पर सबसे पहले सीटी स्कैन की जाती है. सीटी स्कैन के नाम पर लोगों के जेहन में यह बात उठने लगती है कि सीटी स्कैन तो शरीर पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे निकलनेवाली घातक किरणों से कैंसर होने तक का खतरा हो सकता है. हाल ही में हुए शोधों में भी यह साबित हो चुका है. इसके प्रभाव को जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि इसके लिए किस प्रक्रिया को अपनाया जाता है. सीटी स्कैन एक कंप्यूटराइज एक्सीयल टोमोग्राफी स्कैन है, जो एक्स-रे की सीरीज है, जिसके जरिये ब्रेन के हिस्सों को देखा जा सकता है. इतना ही नहीं, ब्रेन के ढांचे को अच्छी तरह से जांचने के लिए 3डी तसवीरों के रूप में देखा जा सकता है. हालांकि ब्रेन कैंसर के दौरान सीटी स्कैन करने के नुकसान बहुत कम हैं, फिर भी इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जैसे – शरीर का तापमान बढ़ जाना, शरीर के विभिन्न हिस्सों में खुजली होना, लाल रैशेज पड़ना आदि. ये सभी साइड इफेक्ट अचानक से दिखाई देने लगते हैं. सीटी स्कैन के दौरान निकलनेवाली तरंगें बहुत हल्की होती हैं, फिर भी गर्भवती महिलाओं का सीटी स्कैन नहीं किया जाना चाहिए.

सर्जरी से उपचार संभव

ब्रेन ट्यूमर का स्थायी इलाज सिर्फ ऑपरेशन है. वर्तमान में ऑपरेशन के दौरान जान जाने का खतरा एक फीसदी से भी कम माना जाता है. चिकित्सा जगत में होते परिवर्तन और नयी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण ब्रेन ट्यूमर का इलाज अब काफी हद तक संभव हो गया है, साथ ही इसकी सफलता दर भी बढ़ गयी है. अगर रोगी को ट्यूमर कैंसरस नहीं है, तो ऑपरेशन द्वारा उसे निकाला जा सकता है. इसके बाद विशेषज्ञों की देख-रेख में रोगी ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है.

बांझपन
सिर्फ महिला नहीं जिम्मेवार

वर्तमान में डायबिटीज, हाइ बीपी और हृदय रोगों में इजाफा हुआ है. ये रोग अक्सर बांझपन का मुख्य कारण बनते हैं. इनसे निस्संतान दंपतियों की संख्या भी काफी बढ़ी है. 1981 से 2001 तक बांझपन में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके अलावा आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण भी गर्भधारण में समस्याएं आ रही हैं. आजकल लगभग 10–15 फीसदी शादीशुदा जोड़े बच?चा जन्म देने में कठिनाई का अनुभव करते हैं. यदि एक साल के अंतराल में स्वस्थ दंपति को गर्भाधान में कठिनाई होती है या महिला गर्भवती नहीं होती है, तो उन्हें फौरन इलाज की आवश्यकता है.

भ्रांतियों से बचें – आम तौर पर भारतीय समाज में एक भ्रांति है कि बांझपन के लिए सिर्फ महिला ही जिम्मेवार होती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है. सिर्फ 30 फीसदी जोड़ों में महिला, 30 फीसदी में पुरुष, 10 फीसदी में दोनों बांझपन के लिए जिम्मेवार होते हैं. 20 फीसदी में यह अन्य कारणों से हो सकता है.

कई बीमारियां हैं कारण – महिलाओं में बांझपन के प्रमुख कारण हैं- फेलोपियन ट्यूब का ब्लॉक होना, गर्भाशय का टीबी, फायब्रॉइड, एंडोमेट्रीयोसिस आदि का होना. इंडोक्राइन बीमारियां जैसे- थायरॉयड की बीमारी, पीसीओडी, मधुमेह आदि भी आजकल काफी महिलाओं में बांझपन का कारण हैं. कभी-कभी महिला के मस्तिष्क में ट्यूमर होने से भी प्रोलैक्टिन हार्मोन की शरीर में अधिकता हो जाती है, जिससे मासिक धर्म ही आना बंद हो जाता है और वे बांझपन की शिकार हो जाती हैं. बढ़ता प्रदूषण, तनाव, हार्मोनल असंतुलन आदि से पुरुष बांझपन भी बढ़ा है. पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी अब सामान्य रोग होता जा रहा है. शराब या तंबाकू का सेवन, मधुमेह, थायरॉयड तथा मानसिक तनाव से भी पुरुष संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं.

कई तरीकों से होता है उपचार – इस समस्या के बढ़ने के कारण ही बांझपन निवारण केंद्रों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है. महिलाओं में आवश्यकतानुसार लेप्रोस्कोपी, हिस्टेरोस्कोपी आदि से फेलोपियन ट्यूब, ओवरी तथा गर्भाशय की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसी प्रकार से शुक्राणुओं से संबंधित समस्याओं को हार्मोन का असंतुलन सुधारने तथा अन्य दवाइयों के सेवन से ठीक किया जाता है. अब निस्संतान दंपतियों के लिए अनेक इलाज उपलब्ध हैं, जैसे- ओव्यूलेशन इंडक्शन तथा आइयूआइ. एजूस्पीमिया से ग्रसित पुरुषों में डोनर शुक्राणु से आइयूआइ किया जा सकता है. अज्ञात कारणों में आइवीएफ -इटी से इलाज संभव है. जिन महिलाओं में अंडे की कमी है, उनमें डोनर उसाइट से गर्भाधान संभव है.

स्लिप डिस्क में करें भुजंगासन

दफ्तर में घंटों कंप्यूटर पर काम करनेवाले कई लोग आज स्लिप डिस्क की समस्या से जूझ रहे हैं. इसमें उन्हें भीषण पीठ दर्द उठता है, जो कई बार बरदाश्त से बाहर हो जाता है. इस तकलीफ में योग विशेषज्ञ भुजंगासन करने की सलाह देते हैं, जो काफी आराम पहुंचाता है.

स्पाइनल कॉर्ड या रीढ़ की हड्डी पर शरीर का पूरा वजन टिका होता है. स्पाइनल कॉर्ड की हड्डियों के बीच कुशन जैसी मुलायम चीज होती हैं, जिसे डिस्क कहा जाता है. ये डिस्क एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और वर्टिब्रा के बिल्कुल बीच में स्थित होती हैं. डिस्क स्पाइन के लिए शॉक एब्जॉर्बर का काम करती हैं.

वास्तव में डिस्क स्लिप नहीं होती, बल्कि स्पाइनल कॉर्ड से कुछ बाहर आ जाती है. इससे स्पाइनल कॉर्ड पर दबाव बनाता है.

इस परेशानी के कई कारण हो सकते हैं –

गलत पोश्चर इसका आम कारण है. लेट कर या झुक कर पढ़ना या लगातार काम करना, कंप्यूटर पर काफी देर तक बैठे रहना.

अनियमित दिनचर्या, अचानक झुकने, वजन उठाने, झटका लगने, गलत तरीके से उठने-बैठने की वजह से दर्द हो सकता है.

सुस्त जीवनशैली, व्यायाम न करना या पैदल न चलने से भी मशल्स कमजोर हो जाते हैं. अत्यधिक थकान से भी स्पाइन पर जोर पड़ता है और एक सीमा के बाद समस्या शुरू हो जाती है.

अत्यधिक शारीरिक श्रम, गिरने, फिसलने, चोट लगने, देर तक ड्राइविंग करने से भी डिस्क पर प्रभाव पड़ता है.

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और इससे डिस्क पर जोर पड़ने लगता है.

इन उपायों से करें बचाव

नियमित तीन-छह किलोमीटर प्रतिदिन पैदल चलें. यह सर्वोत्तम व्यायाम है.

देर तक कुर्सी पर झुक कर न बैठें. अगर डेस्क जॉब करते हैं तो ध्यान रखें कि कुर्सी आरामदेह हो और इसमें कमर को पूरा सपोर्ट मिले. शारीरिक श्रम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है. लेकिन इतना भी परिश्रम न करें कि शरीर को आघात पहुंचे.

देर तक न तो एक ही पोश्चर में खड़े रहें और न एक स्थिति में बैठे रहें.

किसी भी सामान को उठाने या रखने में जल्दबाजी न करें. पानी भरी बालटी उठाने, अलमारी-मेज खिसकाने, भारी सूटकेस उठाते समय सावधानी बरतें.

हाइ हील्स और फ्लैट चप्पलों से बचें. इनसे कमर पर दबाव पड़ता है.

क्या हैं सामान्य लक्षण

नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द, एड़ी या पैर की उंगलियों का सुन्न हो जाना

पैर के अंगूठों या पंजे में कमजोरी

स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पड़ने से कई बार हिप या थाइज के आस-पास सुन्न महसूस करना

रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द चलने-फिरने, झुकने में भी दर्द का अनुभव होना. कभी झुकने या खांसने या अचानक खड़े होने पर ऐसा लगे कि शरीर में करंट प्रवेश कर गया हो. झनझनाहट महसूस हो रहा हो.

नाड़ियों को बल प्रदान करता है यह आसन

जिन लोगों को साइटिका या स्लिप डिस्क की तकलीफ है, वे भी इस आसन से लाभ उठा सकते हैं, लेकिन सावधानी के साथ. संस्कृत में भुजंग का अर्थ है सांप और यह आसन ऐसा है, जैसे सांप ने फन उठाया हो.

आसन की विधि – पेट के बल लेट जाएं और हाथों को जमीन पर कंधों के नीचे रखें. अब श्वास लेते हुए नाभि को जमीन पर ही रखते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं और पीठ को कमान की तरह मोड़ें. पूरे शरीर को उतना खींचे जितना संभव हो. फिर धीरे-धीरे श्वास अंदर लें और छोड़ते हुए सिर को नीचे लाएं.

लाभ – पीठ की, उदर की और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियां मजबूत होती हैं. यह आसन रीढ़-तंत्रिका में हुए विस्थापन को ठीक करता है और सिम्पैथेटिक नाड़ियों को बल प्रदान करता है. किसी भी कारण से पीठ दर्द में इस आसन से काफी लाभ होता है.

सावधानी – अगर आप पेप्टिक अल्सर, हर्निया या हाइपरथायरॉयड से पीड़ित हों, तो यह आसन न करें. ध्यान रखें कि जब शरीर को पीछे की तरफ मोड़ते हैं, तो जोर का झटका न लगे, क्योंकि इससे मांसपेशियों को सख्त चोट आ सकती है.

मन की खुशी लेकर आती है
फिटनेस

मॉडल, एक्ट्रेस, टीवी प्रेजेंटर मंदिरा बेदी सीरियल शांति से बड़ी पहचान बन कर उभरीं. अपने ग्लैमरस फिगर व आकर्षक अंदाज से दर्शकों के दिल पर छायीं. मां बनने के बाद भी वे खुद को उतना ही मेंटेन रखती हैं. डायटिंग पर वे बिलिव नहीं रखतीं. आज भी जिम में खूब पसीना बहाती हैं. वे बता रही हैं फिटनेस उनके लिए क्या मायने रखता है और इसके लिए क्या-क्या करती हैं.

अच्छा फिजिक पाने के लिए 80 प्रतिशत पौष्टिक खान-पान और 20 प्रतिशत एक्सरसाइज की जरूरत होती है. भूखे रह कर फिट नहीं हो सकते हैं. उसके बाद थोड़ा-सा समय एक्सरसाइज को देना जरूरी है. मैंने पाया है कि फिटनेस आपके लिए मन की खुशी लेकर आता है. यही वजह है कि मां बनने के बाद मैं अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा एलर्ट हूं. मैंने छह महीने में 22 किलो वजन कम किया है.

पावर योग है पसंद – मुझे योग से बेटर जिम लगता है. हां, पावर योग पसंद है, क्योंकि मैं हर वक्त एक्टिव रहनेवाली हूं. मुझे दौड़ना पसंद है. हफ्ते में पांच दिन एक्सरसाइज करती हूं. स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो 20-20 मिनट करती हूं. उसके बाद वेट लिफ्टिंग और अन्य एक्सरसाइज. जो लोग यह बोलते हैं कि उनके पास एक्सरसाइज के लिए वक्त नहीं है, मुझे उनसे चिढ़ है. क्या आप 24 घंटे में से 45 मिनट नहीं निकाल सकते?

तंबाकू को कहें ना

तंबाकू चबाने से मुंह में छाले पड़ जाते हैं, अंदरूनी चमड़ा कठोर हो जाता है, जो भविष्य में गांठ को जन्म देता है. इससे मुंह खोलने में परेशानी होने लगती है. ऐसी स्थिति को 'ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस' कहते हैं. आगे चल कर यही मुंह के कैंसर में बदल जाता है. यह शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल जाता है. यदि शुरुआत में ही इसका उपचार हो, तो इस पर काबू पाया जा सकता है.

दिमाग को जकड़ लेता है निकोटिन

तंबाकू में 4000 केमिकल पाये जाते हैं. इनमें 28 कैंसर का कारण बनते हैं. इनमें सबसे खतरनाक तत्व होता है निकोटिन. वैसे तो कई पौधों में भी यह पाया जाता है, लेकिन तंबाकू में इसकी मात्र काफी अधिक होती है. तंबाकू की सूखी पत्तियों में यह लगभग 0.6 से 38 तक पाया जाता है. निकोटिन की मात्र शरीर में ज्यादा पंहुच जाने के कारण व्यक्ति का बीपी सामान्य से अधिक हो जाता है. यदि व्यक्ति तंबाकू का सेवन नहीं करता है, तो उसे थकान महसूस होने लगती है. तंबाकू का सेवन करते ही शरीर फिर से एक्टिव हो जाता है.

शरीर में निकोटिन की बढ़ती मात्र से दिमाग का संतुलन भी बिगड़ जाता है और वह निकोटिन के सेवन करने पर ही एक्टिव रहता है. इसके लंबे समय तक सेवन से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाते हैं और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बन जाता है. निकोटिन का अत्यधिक सेवन लिवर के लिए भी काफी खतरनाक है. इससे लिवर सिरोसिस जैसी घातक बिमारी होने का खतरा बढ़ जाता है. यह कैंसर के बाद दूसरी सबसे खतरनाक बीमारी मानी जाती है, जिसका इलाज केवल लिवर ट्रांसप्लांट है. निकोटिन के सेवन से लिवर की कोशिकाओं में ब्लड सरकुलेशन कम होने लगता है, जिससे लिवर के टिशूज खराब हो जाते हैं.

गला व फेफड़े तक फैल जाता है कैंसर

मुंह के कैंसर की कोशिकाएं मिल कर एक ग्रुप बनाती हैं और टयूमर का रूप ले लेती हैं. उसके बाद वे वहां से पूरे शरीर में फैलने लगती हैं. इस प्रोसेस को मेटास्टेसिस कहते हैं. इस तरह यह फैल कर गला और फेफड़े में भी कैंसर उत्पन्न कर देती हैं.

काफी नहीं सिक्स पैक एब्स बनाना

फिल्म सिंघम में अजय देवगन का जबरदस्त लुक चर्चा में रहा. उन्होंने 'दबंग' सलमान को भी पीछे छोड़ दिया. यहां तक कि सलमान ने भी उनके फर्स्ट लुक पर टिवट्र पर लिखा- 'बाप रे बाप..अजय की बॉडी सुपर्ब है'. एक बार फिर से अजय जिम में पसीना बहा रहे हैं अगली फिल्म सिंघम रिटर्न के लिए. फिटनेस को लेकर उनकी राय है कि सिर्फ सिक्स पैक एब्स बना लेने से कोई फिट नहीं हो जाता. और क्या-क्या जरूरी है, बता रहे हैं अजय.

फिटनेस को लेकर हमेशा से मैं कॉन्शस रहा हूं. 'सिंघम' के लिए मैंने तीन महीने जम कर एक्सरसाइज की थी. ट्रेनर प्रशांत सावंत की हर बात को फॉलो किया. रोज सवा घंटा कार्डियो एक्सरसाइज बिना ब्रेक करता हूं, जिसमें एक घंटा वेट ट्रेनिंग रहता है. ट्रेनिंग के दौरान हमने महसूस किया कि हर किसी के लिए सिक्स पैक एब्स बनाना आसान है, लेकिन उसके मुताबिक पूरे शरीर (बांह, छाती और कंधे) को एक परफेक्ट टोन्ड शेप देना बेहद मुश्किल होता है. इसमें बैलेंस डायट की 90 फीसदी भूमिका होती है.

डायट रूटीन – खाने-पीने के मामले में भी बेहद अनुशासित हूं. ज्यादा-से-ज्यादा पौष्टिक चीजें ही लेता हूं और एक सप्ताह के अंतराल पर इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव करता रहता हूं.

काबरेहाइड्रेट को अपने खान-पान से दूर ही रखता हूं. प्रोटीन ज्यादा-से-ज्यादा मिले, इसके लिए अंडा और चिकन खाता हूं. लंच में रोटी और पत्तेदार हरी सब्जियां शामिल करता हूं. रात में सूप के साथ ग्रिल्ड चिकन पसंद है. इसके साथ ही मैं प्रोटीन शेक और खूब पानी पीता हूं. मेरी एक ही कमजोरी है कोला और फ्रेंच फ्राइज, जिस पर कंट्रोल नहीं रख पाता. इन्हें कम करने के लिए 15 दिन पर ही लेता हूं.

CMYK

स्पाइस एक्सप्रेस ने चीन से 1,100 ऑक्सीजन कोसेंट्रेटर, अन्य सामान दिल्ली पहुंचाया

मुंबई. स्पाइस एक्सप्रेस ने बृहस्पतिवार को चीन के नानजिंग से 1,100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स समेत कोरोना संक्रमण से संबंधित अन्य चिकित्सा उपकरणों को दिल्ली पहुंचाया। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''कंसंट्रेटर्स समेत अन्य उपकरणों को ए-330 विमान से नयी दिल्ली लाया गया। मालवाहक कंपनी स्पाइसएक्सप्रेस ने अमेरिका, हांगकांग, सिंगापूर और चीन से देश में अबतक 11,050 ओक्सीजन कंसंट्रेटर्स को पहुंचाया है। इन कंसंट्रेटर्स का आर्डर स्पाइसहेल्थ और अन्य संस्थानों द्वारा किया गया था। स्पाइसएक्सप्रेस 63 घरेलू, 50 अंतर्राष्ट्रीय स्थानों और 19 कार्गो विमानों के बेड़े के बड़े नेटवर्क के साथ रोजाना घरेलू और अंतरराष्ट्रीय से 600 टन से अधिक कार्गो उड़ान भरने में सक्षम है।

हाइब्रिड वर्क वीक की व्यवस्था शुरू करेगा गूगल : सुंदर पिचई

नयी दिल्ली, गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचई ने एक नोट में लिखा कि गूगल एक हाइब्रिड वर्क वीक की व्यवस्था शुरू करेगी जिसमें ज्यादतर कर्मचारी कार्यालय में करीब तीन दिन काम करेंगे और दो दिन किसी भी ऐसी जगह से काम करेंगे जहां वह सबसे अच्छा काम कर सकते हैं। इस साल के आखिर में गूगल के कार्यालय दोबारा खुलने के बाद भी उसके करीब 20 प्रतिशत कर्मचारी दूर से काम करेंगे जबकि 60 प्रतिशत कर्मचारी हफ्ते में कुछ दिन एक साथ कार्यालय आएंगे। उन्होंने कहा, चूंकि कार्यालय में काम का समय सहयोग पर केंद्रित होगा, आपके उत्पाद क्षेत्र और कामकाज से इस बात का निर्धारण होगा कि टीमें किस दिन साथ में कार्यालय आएंगी। ऐसे भी काम होंगे जिनके लिए कामकाज के स्वभाव के चलते हफ्ते में तीन दिन से ज्यादा कार्यालय आने की जरूरत पड़ सकती है।

ऑयल इंडिया तीन साल में राजस्थान में 30 नए कुओं की खुदाई करेगी

जयपुर, सार्वजनिक कंपनी ऑयल इंडिया कच्चे तेल और गैस भण्डारों की खोज के लिए आगामी तीन साल में राजस्थान में 30 नए कुंओं की खुदाई करेगी। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑयल इंडिया द्वारा तीन सालों में कच्चे तेल और गैस भण्डारों के लिए पेट्रोल खनन लाइसेंस और पेट्रोल उत्खनन लाइसेंस क्षेत्रों में करीब 30 और कुओं की खुदाई की जाएगी। कंपनी के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में उन्होंने उनसे राज्य में उत्खनन और कच्चे खनिज तेल व गैस के उत्पादन कार्यों में तेजी लाने को कहा ताकि राज्य में प्राकृतिक गैस और खनिज तेल का उत्पादन बढ़ सके। उन्होंने कहा कि इससे विदेशी पूंजी की बचत के साथ ही राज्य सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी और रोजगार का सृजन हो सकेगा। उन्होंने बताया है कि ऑयल इण्डिया द्वारा राजस्थान के जैसलमेर और बीकानेर में प्रतिदिन 180 बैरल भारी तेल और 0.8 लाख क्यूबिक मीटर गैस का प्रतिदिन उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑयल इंडिया ने राज्य सरकार से बीकानेर-जैसलमेर और बीकानेर क्षेत्र में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज कार्य लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। राज्य में इस समय ऑयल इंडिया को दो पेट्रोल खनन लाइसेंस व तीन पेट्रोल उत्खनन लाइसेंस दिए हुए हैं। ऑयल इंडिया के राजस्थान फील्ड के अधिशाषी निदेशक एसके सिंह ने बताया कि जैसलमेर के तनोट में 1988 से उत्पादन किया जा रहा है।

रुपया 13 पैसे की तेजी के साथ 73.78 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई,

अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में तेजी आने के समर्थन से विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया 13 पैसे की तेजी के साथ 73.78 रुपये (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले स्थानीय मुद्रा 73.87 पर खुली, तथा इसने दिन के कारोबार में 73.77 रुपये के उच्च स्तर और 74 रुपये के निम्न स्तर को छुआ। कारोबार की समाप्ति पर रुपया 13 पैसे की तेजी दर्शाता 73.78 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को यह 73.91 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.30 प्रतिशत घटकर 91.03 रह गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में आई तेजी ने रुपये की गिरावट पर अंकुश लगा दिया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 272.21 अंक की तेजी के साथ 48,949.76 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बुधवार को 1,110.50 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड वायदा 0.33 प्रतिशत घटकर 68.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

नूवोको विस्टाज ने 5,000 करोड़ के आईपीओ की मजूरी के लिए सेबी में दिए कागज

नयी दिल्ली.

निरमा समूह की कंपनी नूवोको विस्टाज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने शेयर की प्रारंभिक सार्वजिनक बिक्री (आईपीओ) के जरिए 5,000 करोड़ रुपए जुटाने की अनुमति के लिए नियामक सेबी के पास विवरण-पुस्तिका का मसौदा गुरुवार को जमा कराया। समौदे के मुताबिक कंपनी प्राथमिक बाजार में इस निर्गम (आईपीओ) में 1,500 करोड़ रुपए के नये शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही प्रवर्तक कंपनी नियोगी इंटरप्राइज द्वारा शेयर बाजार 3,500 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। नये शेयरों से होने वाली आय का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ रिण को लौटाने और साथ ही सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा। नूवोको विस्टाज सीमेंट निर्माता कंपनी है और उसकी कुल उत्पादन क्षमता 2.232 करोड़ टन सालाना है। कंपनी के 11 सीमेंट संयंत्रों में पांच एकीकृत इकाइयां, पांच ग्राइंडिंग इकाइयां और एक ब्लेंडिंग इकाई शामिल हैं।

भारतीय रेलवे ने दिल्ली से चलने वाली 28 ट्रेनों को अगले आदेश तक किया रद्द

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के कई राज्यों में लॉकडाउन या फिर वैसी कड़ी पाबंदियां लगाई गई हैं। इसकी वजह से ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या भी काफी कम रह गई है। इस बीच, भारतीय रेलवे ने दिल्ली से चलने वाली राजधानी, शताब्दी और दुरंतो एक्सप्रेस समेत 28 ट्रेनों को 9 मई से बंद करने का फैसला किया है। यानी, अगले आदेश तक ये ट्रेनें नहीं चलेंगी। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

कोरोना ने देश में तोड़े सारे रिकॉर्ड- 24 घंटे में आए 4.12 लाख नए केस

वहीं देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर इतनी भयावह होगी इसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। कोरोना की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा युवा वर्ग चपेट में आ रहे हैं। देश में कोरोना का अब तक सबसे बड़ा ब्लॉस्ट हुआ है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 4 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं एक दिन में 3980 लोगों की मौत हुई है। देश में कोरोन 4.12 लाख मामले सामने आए हैं। अलग-अलग राज्यों से मिले आंकड़ों के मुताबिक देश में 4,12,262 नए केस दर्ज किए गए।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 272 अंक मजबूत; वाहन, आईटी शेयरों में तेजी

मुंबई,

घरेलू शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। मुख्य रूप से वाहन, वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयरों में अच्छी लिवाली से बाजार को मजबूती मिली। निवेशकों ने अमेरिकी सरकार के कोविड-19 टीकों को लेकर बौद्धिक संपदा अधिकारों से छूट देने के प्रस्ताव को समर्थन देने के निर्णय को हाथों-हाथ लिया। इससे भारत और अन्य उभरते देशों में टीकाकरण अभियान में तेजी आ सकती है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 272.21 अंक यानी 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 48,949.76 पर बंद हुआ। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहा और सेंसेक्स ऊपर में 49,011.31 और नीचे में 48,614.11 तक गया। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 106.95 अंक यानी 0.73 प्रतिशत मजबूत होकर 14,724.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज ऑटो, एचडीएफसी, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, मारुति और टाइटन आदि लाभ में रहे। इनमें 2.61 प्रतिशत तक की तेजी रही।

दूसरी तरफ गिरावट वाले शेयरों में पावर ग्रिड, ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी और सन फार्मा शामिल हैं। इनमें 1.24 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। सेंसेक्स के शेयरों में 20 लाभ में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''बाजार में सकारात्मक और नकरात्मक दोनों खबरें जारी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का टीकों को लेकर बौद्धिक संपदा अधिकारों से छूट देने के प्रस्ताव का समर्थन देने का निर्णय काफी सकारात्मक है। इससे टीकाकरण प्रक्रिया में तेजी आएगी और भारत जैसे देशों को महामारी से तेजी से निपटने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरी तरफ पांच दिन के बाद संक्रमण के मामले में फिर बढ़े हैं। लॉकडाउन और पाबंदियां बढ़ रही हैं, इससे आर्थिक पुनरूद्धार पर असर पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 4,12,262 नए मामले दर्ज किए गए तथा 3,980 लोगों ने जान गंवाई। इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,10,77,410 हो गए और मृतकों की संख्या 2,30,168 पर पहुंच गई है।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन को छोड़कर अन्य बाजरों में तेजी रही। विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 73.78 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं और उन्होंने बुधवार को पूंजी बाजार में 1,110.50 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

भारत के समक्ष महामारी की नयी चुनौती, जीडीपी वृद्धि 9.5 प्रतिशत तक रह सकती है सीमित: फिच

नयी दिल्ली,

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच सोल्यूशंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड- 19 के मौजूदा बढ़ते संकट के बीच सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के प्रति जन समर्थन को कुछ धक्का लगा है पर लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी को मतदाताओं का समर्थन आने वाली तिमाहियों और इस मानव संकट के दौरान मजबूत बना रहेगा। कोरोना वायरस संक्रमण की लहर ने देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को डुबो दिया है और लगता है कि व्यवस्था घ्वस्त हो गई है। कोरोना वायरस के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक 4,12,282 मामले सामने आये हैं और 3,980 लोगों की मौत दर्ज की गयी है। एजेंसी ने कहा कि कोराना वायरस संक्रमण के इस दौर के बीच वित्त वर्ष 2021- 22 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि कम होकर 9.5 प्रतिशत रह सकती है। फिच का मानना है कि कंटेनमेंट जोन जैसे उपायों से भारत की आर्थिक क्षेत्र में सुधरती स्थिति पर असर होगा लेकिन स्थानीय स्तर पर अलग अलग स्थानों पर लगने वाले प्रतिबंधों से अर्थव्यवस्था पर वास्तविक प्रभाव पिछले साल अप्रैल- जून के प्रभाव के मुकाबले कम ही होगा। पिछले साल अप्रैल- जून के दौरान देश में विभिन्न चरणों में सख्त लॉकडाउन लागू किया गया था। एजेंसी ने कहा है कि उसके ताजा अनुमान में गिरावट का जोखिम बना हुआ है, क्योंकि कोविड- 19 मामलों से लाकडाउन का और विसतार होगा। एजेंसी का कहना है कि कोविड- 19 मामलों के तेजी से बढ़ने से भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियां उजागर हुई हैं। फिच सोल्यूशंस ने कहा है, ''इस तरह के संकेत दिखते हैं कि कोविड- 19 के इस संकट से सत्ताधारी भाजपा के समर्थन को चोट पहुंची है लेकिन हम अपने इस विचार को बरकरार रखते हैं कि मतदाताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी को समर्थन आने वाली तिमाहियों और इस मानवीय संकट के दौरान बना रहेगा।'' एजेंसी का कहना है कि भारत में दूसरी लहर के लिये व्यापक तौर पर ब्रिटेन में सबसे पहले पहचान किये गये बी.1.1.7 वरिएंट को जिम्मेदार माना जा रहा है जिसकी वजह से पंजाब में मामले तेजी से बढ़े। वहीं दूसरी बड़ी वजह घरेलू स्तर पर बढ़ने वाले वेरिएंट बी.1.617 की रही है जो कि महाराष्ट्र में पैदा हुये और यही वजह है कि महाराष्ट्र पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव रहा है। ''सरकार की तरफ से अपर्याप्त उपाय, लोगों का स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन नहीं करना जैसे कही सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनना, शारीरिक दूरी रखने के नियम का पालन नहीं करना भी बड़ी वजह रही जहै कि भारत में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं।''

बदरीनाथ में 100 करोड रुपये के विकास कार्यों के लिए सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर

देहरादून, नयी दिल्ली,

प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम को आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित करने के लिए करीब 100 करोड रूपये के विकास कार्यों हेतु बृहस्पतिवार को श्रीकेदारनाथ उत्थान ट्रस्ट एवं पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हज़्ताक्षर किए गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत व केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से सचिव तन्रू कपूर व उत्तराखण्ड की ओर से पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने हस्ताक्षर किए। वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि उत्तराखण्ड के चार धामों का विशेष महत्त्व है और बदरीनाथ धाम के कायाकल्प को लेकर तेल कंपनियां प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ धाम को प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के अनुरूप स्मार्ट अध्यात्मिक शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां पर अलकनंदा नदी के तटबंध कार्यों के अलावा जल निकासी, सीवेज, लाइट, सीसीटीवी, शौचालय, पुल आदि के सौंदर्यीकरण व पुनर्निर्माण के कार्य प्रस्तावित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में बदरीनाथ व केदारनाथ धामों की भांति ही उत्तरकाशी में गंगोत्री व यमनोत्री धामों के लिए भी कुछ कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि वर्ष 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा व मार्गदर्शन में शुरू हुए पुनर्निर्माण के कार्य अब अपने अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने बदरीनाथ धाम के कायाकल्प का भी निर्णय लिया जहां आगामी 100 वर्षों की आवश्यकताओं के मद्देनजर कुल 85 हेक्टेअर भूमि पर चरणबद्ध तरीके से सुविधाओं का विकास किया जाएगा । मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ धाम में यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के विशेष प्रयास किये जा रहे हैं और राज्य सरकार आगामी तीन सालों में धाम के कायाकल्प के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ में व्यास गुफा, गणेश गुफा व चरण पादुका आदि का भी पुनर्विकास किया जाएगा ।

जेएसपीएल ने दैनिक आक्सीजन आपूर्ति सीमा बढ़ाकर 120 टन प्रतिदिन की

नयी दिल्ली,

जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कोविड- 19 मरीजों के इलाज के वास्ते आक्सीजन की दैनिक आपूर्ति को बढ़ाकर 120 टन प्रतिदिन कर दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि अब तक वह भारत के नौ राज्यों में विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों पर 1,000 टन से अधिक तरल चिकित्सा आक्सीजन (एलएमओ) की आपूर्ति कर चुकी है। अब तक कंपनी प्रतिदिन 100 टन तक एलएमओ की प्रतिदिन आपूर्ति कर रही थी। कंपनी के प्रवक्ता ने आगे कहा कि जेएसपीएल आक्सीजन की आपूर्ति को प्रतिदिन 400 टन तक बढ़ा सकती है लेकिन क्रायोजेनिक टैंकरों की कमी के कारण वह ऐसा कर पाने में असफल है। इस्पात मंत्रालय के निर्देश पर एकीकृत इस्पात विनिर्माता तरल स्वरूप में चिकित्सा में काम आने वाली आक्सीजन को विभिन्न राज्यों को भेज रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच आक्सीजन की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इस्पात संयंत्रों में इस्पात उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं के तहत आक्सीजन का उत्पादन होता है।

एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी ने जीयूवीएनएल के साथ बिजली खरीद समझौता किया

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी इकाई एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी ने 150 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना से बिजली बेचने के लिये गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौता किया है। इसके तहत परियोजना से उत्पादित बिजली 2.20 रुपये प्रति यूनिट (किलोवाट प्रति घंटा) पर बेची जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''एनटीपीसी की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी लि. ने अपनी 150 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना से उत्पादित बिजली बेचने के लिये गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. के साथ बिजली खरीद समझौता किया है।'' इस सफल बोली के साथ कंपनी की शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) निविदा के तहत कुल क्षमता 1,400 मेगावाट पहुंच गयी है। कंपनी को गुजरात सरकार ने 4,750 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क विकसित करने के लिये कच्छ के रण में जमीन आबंटित की है। एनटीपीसी की पूर्ण अनुषंगी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी लि. का गठन सात महीने पहले नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के मकसद से किया गया। कंपनी फिलहाल देश में 6,000 मेगावाट सौर क्षमता का निर्माण कर रही है।

कोरोना महामारी ने 23 करोड़ भारतीयों को गरीबी में धकेला-रिपोर्ट

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी की वजह से जिस तरह लॉकडाउन लगाए गए और लोगों की आजीविका पर असर पड़ा, उससे पिछले एक साल में करीब 23 करोड़ लोग गरीबी में धकेल दिए गए। इसका दावा अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी दर में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और शहरी गरीबी दर में लगभग 20 अंकों की वृद्धि हुई है। कामकाजी भारत की स्थिति, कोविड के एक साल नामक इस रिपोर्ट में कहा गया है, महामारी के दौरान राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन सीमा 23 करोड़ तक पहुंच गई। गौरतलब है कि अनूप सत्पथी समिति द्वारा अनुशंसित राष्ट्रीय न्यूनतम वेज 375 रूपये प्रतिदिन है।

यह नोट किया गया कि यद्यपि लोगों की आय हर जगह कम हुई है , फिर भी महामारी का असर गरीब घरों पर बहुत अधिक पड़ा है। पिछले साल अप्रैल और मई में 20 प्रतिशत गरीब परिवारों ने अपनी पूरी आय खो दी। इसके विपरीत, अमीर घरों को अपने पूर्व-महामारी आय के एक चौथाई से भी कम का नुकसान हुआ। पूरे आठ महीने की अवधि (मार्च से अक्टूबर) के दौरान, 10 प्रतिशत के निचले हिस्से में एक औसत घराने को 15,700 रुपये का नुकसान हुआ, या सिर्फ दो महीने की आय में गुजारा करने को मजबूर होना पड़ा। इसके अलावा, रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल लॉकडाउन के दौरान देश भर में अप्रैल-मई 2020 के दौरान लगभग 10 करोड़ लोगों की नौकरियां चली गईं। लगभग 1.5 करोड़ श्रमिक 2020 के अंत तक काम से बाहर रहे।

अधिकांश जून 2020 तक काम पर वापस आ गए थे, लेकिन यहां तक कि 2020 के अंत तक, लगभग 1.5 करोड़ लोग काम से बाहर रहे । रिपोर्ट के अनुसार आय में भी गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर 2020 में प्रति व्यक्ति औसत मासिक घरेलू आय (4,979 रुपये) जनवरी 2020 में अपने स्तर से नीचे (5,989 रुपये) थी। महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे इलाकों में सबसे ज्यादा लोगों की नौकरियां छूटीं।

लॉकडाउन के दौरान और बाद के महीनों में, 61 प्रतिशत कामकाजी पुरुष कार्यरत रहे और 7 प्रतिशत ने रोजगार खो दिया और काम पर नहीं लौटे।

महिलाओं के लिए, केवल 19 प्रतिशत ही कार्यरत रहीं और 47 प्रतिशत को लॉकडाउन के दौरान स्थायी नौकरी का नुकसान उठाना पड़ा और 2020 के अंत तक भी उनको रोजगार नहीं मिला।

ओलंपिक जाने वाले भारत के निशानेबाजों, कोचों, अधिकारियों को लगी वैक्सीन

नई दिल्ली । तोक्यो ओलंपिक जाने वाले भारत के कई निशानेबाजों, कोचों और अधिकारियों ने गुरूवार को कोरोना टीके का पहला डोज लगवा लिया। निशानेबाजों को 11 मई को यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिये क्रोएशिया रवाना होने से पहले टीका लगवाना था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ सूत्र ने कहा कि सभी निशानेबाजों को आज टीके लग गए। कुछ ने दिल्ली में तो कुछ ने अपने शहर में टीके लगवाए। भारतीय टीम के कुछ सदस्यों ने पिछले महीने ही टीके का पहला डोज ले लिया था जिनमें मनु भाकर और अंजुम मुद्गिल शामिल थी। भाकर ने हरियाणा के झज्जर में सरकारी अस्पताल में टीका लगवाया। कोचों में से समरेश जंग, सुमा शिरूर और दीपाली देशपांडे ने पिछले महीने टीका लगवाया। भारतीय निशानेबाज 20 मई से छह जून तक यूरोपीय चैम्पियनशिप में भाग लेंगे और जगरेब से सीधे तोक्यो रवाना हो जाएंगे।

रिकर्व तीरंदाजों को नहीं मिला वीजा, विश्व कप में भाग नहीं ले पाएंगे

ARCHERY WORLD CUP

नई दिल्ली।

चार महिला सहित आठ भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम वीजा नहीं मिलने के कारण 17 से 23 मई तक ल्यूसाने में होने वाले विश्व कप (दूसरे चरण) में भाग नहीं ले पाएंगे। भारत में बढ़ते कोरोना और यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के कारण स्विटजरलैंड की दूतावास ने भारतीय तीरंदाजी टीम को वीजा जारी करने से इनकार कर दिया है। इसके बाद भारतीय तीरंदाजी संघ ने विदेश मंत्रालय से वीजा दिलाने के लिए गुहार लगाई है। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के महासचिव प्रमोद चंदुरकर ने आईएएनएस से कहा, भारत में कोडि-19 की दूसरी लहर के कारण यूरोपीय राष्ट्र वीजा से इनकार कर रहे हैं। यहां तक कि अगर हम यात्रा करते हैं, तो स्विट्जरलैंड में 10 दिनों तक क्वारंटीन में रहना होगा। समय बीतने के साथ, सबसे अच्छा विकल्प प्रतियोगिता को छोड़ना और जून में विश्व कप के पेरिस संस्करण पर ध्यान केंद्रित करना था, जो एक ओलंपिक क्वालीफाई प्रतियोगिता भी है। पुरुष रिकर्व टीम 23 जुलाई से होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जबकि महिला रिकर्व टीम को अभी क्वालीफाई करना बाकी है। व्यक्तिगत स्पर्धा में अब तक दो बार की ओलंपियन दीपिका कुमार ने ही टोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया है । महासचिव ने कहा, राष्ट्रीय टीम ने ग्वाटेमाला सिटी में हाल ही में संपन्न विश्व कप स्टेज 1 में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम ने तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता था। पुणे में राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने वाले तीरंदाजों को सात दिनों की क्वारंटीन से गुजरना पड़ा था। लॉजेन विश्व कप में भाग लेना एक अच्छा अभ्यास सत्र हो सकता था लेकिन फिर यूरोप की यात्रा करना और क्वारंटीन से गुजरना भी थकाऊ हो सकता था। 21 से 27 जून तक पेरिस में होने वाले ओलंपिक क्वालीफाइंग विश्व कप से पहले यह विश्व कप महिला तीरंदाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम के पास ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को झटका, मलेशिया ओपन में नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली ।

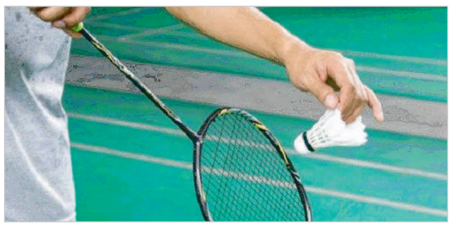

भारत में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के कारण मलेशिया ने भारत से यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया है जिससे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इस महीने के आखिर में खेले जाने वाले मलेशिया ओपन में भाग नहीं ले पाएंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन 25 से 30 मई तक होना है जो ओलंपिक क्वालीफिकेशन अंक अर्जित करने के लिए आखिरी टूर्नामेंटों में से एक है। मलेशिया ने भारत से यात्रा करने पर 28 अप्रैल को प्रतिबंध लगाया था। मलेशिया सरकार द्वारा भारत से यात्रा करने पर लगाए गए अस्थायी यात्रा प्रतिबंध के कारण भारतीय बैडमिंटन टीम को 25 से 30 मई तब आयोजित होने वाले मलेशिया ओपन में भाग नहीं ले सकेगी।' इस टूर्नामेंट में देश के शीर्ष एकल और युगल खिलाड़ियों में शामिल पीवी सिंधु, साइना नेहवाल, किदांबी श्रीकांत, साई प्रणीत, सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, अश्विनी पोनप्पा और सिक्की रेड्डी को भाग लेना था। उन्होंने कहा, 'यह टूर्नामेंट 15 जून को खत्म होने वाले ओलंपिक क्वालीफिकेशन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक है।' खेल मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय की मदद से मलेशिया के अधिकारियों से भारतीय टीम को मंजूरी देने की मांग की लेकिन कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण इसे खारिज कर दिया गया। उन्होंने बताया, 'भारत में कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के कारण मलेशियाई सरकार ने वहां के भारतीय उच्चायोग को बताया कि फिलहाल टीम को यात्रा की मंजूरी नहीं दी जा सकती।'

बोपन्ना-शापोवालोव मैड्रिड ओपन मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड । भारत के रोहन बोपन्ना और कनाडा के उनके जोड़ीदार डेनिस शापोवालोव ने शीर्ष वरीय युआन सबेस्टियन कबाल और रोबर्ट फराह को यहां सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बोपन्ना की 2021 में एटीपी टूर पर यह पहली जीत है। भारत और कनाडा की जोड़ी ने बुधवार को राऊंड आफ 16 मुकाबले में 6-3 6-4 से जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और शापोवालोव का सामना जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और टिम पुएट्ज की जोड़ी से होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण ने ट्वीट किया- टॉप्स में शामिल टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार डेनिस शापोवालोव की शानदार जीत जिन्होंने रोबर्ट फराह और युआन सबेस्टियन कबाल की दुनिया की नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी को 6-3, 6-4 से हराकर मैड्रिड ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

काउंटी क्रिकेट क्लब इंग्लैंड में करवाना चाहता है IPL, ECB को लिखा पत्र

लंदन ।

इंग्लैंड की काउंटी के एक ग्रुप ने शेष आईपीएल को इस वर्ष सितम्बर में अपने यहां कराने की पेशकश की है। एमसीसी, सरे, वारविकशायर और लंकाशायर (दोनों लॉर्ड्स में स्थित), किया ओवल (दोनों लंदन), एजबस्टन (बर्मिंघम), और एमिरेट्स ओल्ड ट्रेफर्ड (मैनचेस्टर) उस ग्रुप का हिस्सा हैं जिन्होंने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को पत्र लिखकर बीसीसीआई के सामने यह पेशकश रखने की गुजारिश की है। इस ग्रुप की योजना के अनुसार टूर्नामेंट सितम्बर के दूसरे हाफ में लगभग दो सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। टूर्नामेंट को पूरा करने के अलावा काउंटी ने यह भी संकेत दिया है कि वह शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों को टी 20 विश्व कप में जाने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा यूएई में टी 20 विश्व कप खेले जाने की स्थिति में पिचें एकदम ताजा मिलें। मंगलवार को अपनी बैठक में बीसीसीआई ने इंग्लैंड के विकल्प पर कोई विचार नहीं किया और यह स्पष्ट नहीं है कि इस पर तबसे विचार किया गया गया है या नहीं। काउंटी ने उम्मीद जताई है कि मैचों को फुल हाउस दर्शकों के समक्ष खेला जाएगा हालांकि यह भी सम्भावना है कि आईपीएल की यूएई में मेजबानी की जाए और दो से तीन मैच रोजाना खेले जाएं और ग्रुप चरण तथा नाक आउट चरण के बीच कोई अंतराल न हो। इस योजना के रास्ते में कुछ बाधा आ सकती हैं। पहला यह कि महामारी के कोर्स की भविष्यवाणी करना मुश्किल है और अभी भारत में टी 20 विश्व कप की मेजबानी का फैसला करने में अभी समय है। ब्रिटेन में दुनिया से खिलाड़ियों को लाने में क्वारंटीन का मुद्दा हो सकता है हालांकि उस समय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कई भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी से मदद मिल सकती है। इंग्लैंड भारत टेस्ट सीरीज 14 सितम्बर को मैनचेस्टर में समाप्त होगी।

संक्षिप्त समाचार

हिकारु नाकामुरा नें जीता टाइटल ट्यूसडे शतरंज

न्यूयॉर्क ,यूएसए (निकलेश जैन) यूएसए के ग्रांड मास्टर हिकारु नाकामुरा का ऑनलाइन शतरंज मे मुक़ाबला करना सबसे बस की बात नहीं है । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन से न्यू इन चैस क्लासिक का फाइनल हारने के कुछ दिन बाद ही नाकामुरा नें टाइटल ट्यूसडे शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक बाद फिर वापसी की है । दुनिया भर के 666 खिलाड़ियों की मौजूदगी मे नाकामुरा नें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर खिताब अपने नाम किया । 11 राउंड मे 3 मिनट + 1 सेकंड के मुकाबलों मे अविजित रहते हुए उन्होने 9.5 अंक बनाए इस दौरान उन्होने 8 जीत दर्ज की जबकि तीन मुक़ाबले ड्रॉ रहे । 9.5 अंक बनाने वाले अर्मेनिया के ग्रांड मास्टर हैक मरतिरोसयान दूसरे तो रोमानिया के ग्रांड मास्टर बोगदान डेनियल टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे । प्रतियोगिता मे भारत के पूर्व राष्ट्रीय जूनियर चैम्पियन हर्षा भारतकोठी 8.5 अंक बनाकर 14 वे स्थान पर रहे ।

गोवा के धीरज AFC चैम्पियंस लीग ग्रुप चरण में सबसे ज्यादा बचाव करने वाले गोलकीपर बने

नई दिल्ली ।

एफसी गोवा की टीम एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) चैम्पियंस लीग के अपने पहले अभियान को ग्रुप चरण से आगे ले जाने में नाकाम रही लेकिन टीम के युवा एम. धीरज सिंह सबसे ज्यादा बचाव करने के मामले में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बनकर उभरे। भारत में 2017 में हुए फीफा अंडर-17 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले धीरज ने 5 मैचों में 26 बचाव किए, जो इस लीग के वेस्ट जोन (पश्चिम क्षेत्र) के ग्रुप चरण में सबसे ज्यादा है। एएफसी की वेबसाइट के मुताबिक, 'धीरज सिंह अपने महाद्वीपीय पदार्पण पर निश्चित तौर से खुद का नाम बनाने में सफल रहे। उन्होंने कुछ यादगार प्रयासों के साथ टूर्नामेंट के सिर्फ पांच मैचों में 26 गोल का बचाव करके प्रेक्षकों से प्रशंसा बटोरी।' कोविड-19 के कारण पश्चिमी क्षेत्र के पांचों ग्रुप के मैचों का आयोजन घरेलू और दूसरी टीम के स्थल की जगह एक ग्रुप के मैचों का आयोजन एक जगह हुआ था। गोवा में ग्रुप ई के मैच खेले गए थे। ग्रुप ई में गोवा के अलावा ईरान की पेर्सेपोलिस, कतर की अल रयान और यूएई की अल वहदा की टीमें थी। पूर्वी क्षेत्र के मैचों का आयोजन बाद में होगा। सबसे ज्यादा बचाव करने वाले गोलकीपरों की सूची में मोहम्मद अल ओवैस (अल अहलि सऊदी एफसी) 24 गोल के साथ दूसरे जबकि अल शोर्टा के अहमद बासिल 19 बचाव के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

विरोधी टीमों के कोचों ने भी धीरज के शानदार खेल की तारीफ की थी। उनके प्रदर्शन के दम पर एफसी गोवा अल रयान के साथ दो बार और अल वदहा के खिलाफ एक बार मैच ड्रा करने में सफल रहा।

गोवा की टीम ग्रुप ई में पेर्सेपोलिस एफसी और अल वदहा के बाद तीन मैचों में तीन अंक के साथ तीसरी स्थान पर रही।

बुंदेसलीगा : बायर्न म्यूनिख की नजरें डोर्टमुंड की मदद से खिताब जीतने पर

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख की नजरें बोरुसिया डोर्टमुंड की मदद से बुंदेसलीगा का खिताब नौवीं बार जीतने पर टिकी हुई है। डोर्टमुंड का शनिवार को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद आरबी लिपजिग के साथ मुकाबला होना है। इसके बाद इसी दिन बायर्न म्यूनिख का सामना बोरुसिया मोएनचेंग्लादबाच से होना है। लेकिन अगर डोर्टमुंड अपना मैच जीत जाता है तो बायर्न म्यूनिख ट्रॉफी जीतने को लेकर आश्वस्त हो जाएगा। बायर्न म्यूनिख के पास लिपजिग के मुकाबले सात अंकों की बढ़त है और अभी तीन मैच शेष हैं। डोर्टमुंड पांचवें स्थान पर है और उसे अगले चैंपियंस लीग के दो में से पहले चरण में जाने के लिए अंक हासिल करने की जरूरत है। डोर्टमुंड को पांच दिनों के अंदर लिपजिग के साथ दो मुकाबले खेलने हैं। फॉरवर्ड खिलाड़ी थॉमस मुलर ने कहा, हमें पता है कि हम किस चीज का सामना कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द चैंपियनशिप खत्म करे। बोरुसिया मोएनचेंग्लादबाच सातवें स्थान पर हैं और उसे यूरोपा लीग में पहुंचने के लिए अंकों की जरूरत है जिसके लिए उसे चार अंक चाहिए। डोर्टमुंड एंट्राचट फ्रेंकफर्ट से एक अंक तथा वोल्फबर्ग से दो अंक पीछे है जो क्रमश- चौथे और तीसरे स्थान पर है। कप्तान मार्को रिउस ने कहा, अगर हमें चैंपियंस लीग में खेलना है तो हमें हर मैच को जीतना होगा। हमने अपने के लिए इस लक्ष्य को तय किया है। हमें लिपजिग के खिलाफ खेलना है। डोर्टमुंड ने अपने पिछले तीन मुकाबले जीते हैं और लिपजिग के खिलाफ पिछले छह मैच से अजेय हैं।

ड्यूबॉल खेल को मिला स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में स्थान

ड्यूबॉल खेल को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मान्यता प्रदान की है। ड्यूबॉल खेल अब स्कूलों में भी खेला जाएगा। ड्यूबॉल को स्कूल गेम्स में सम्मिलित होने से जिले की कई प्रतिभाओं का भविष्य स्वर्णिम होगा। ड्यूबॉल की शुरुआत 2013 में नागपुर महाराष्ट से हुई थी। ड्यूबॉल भारत के अन्य राज्यों में भी खेला जाता है भारत के आसपास के अन्य देशों में जैसे कि श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, मालदीव, इंडोनेशिया और अन्य देशों में भी ड्यूबॉल खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अवसर पर मध्य भारत ड्यूबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ दिलीप गर्ग, उपाध्यक्ष ताहिर अली कुरेशी, कोषाध्यक्ष संदीप सोनी, गोल्ड स्मिथ, सचिव योगेश शर्मा, सहसचिव विशाल चौहान, भूपेंद्र सिंह ठाकुर, आसिफ खान द्वारा समस्त खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

मैं घबराया हुआ नहीं था : मिलर

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर का कहना है कि वह आईपीएल स्थगित होने के बाद खिलाड़ियों के घर जाने को लेकर घबराए हुए नहीं थे। कोरोना महामारी के बीच आईपीएल 2021 का आयोजन किया गया था लेकिन पिछले दिनों टीमों में कोरोना के मामले सामने आने के कारण इसे स्थगित किया गया था। आईपीएल स्थगित होने के बाद विभिन्न देशों के खिलाड़ी स्वदेश लौट रहे हैं और मिलर टीम के आखिरी सदस्य है जो अपने घर के लिए रवाना हो चुके हैं। मिलर ने हिदुस्तान टाइम्स से कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं घबड़ा गया था क्योंकि मैं बायो बबल में था जिसका मतलब है कि मैं सुरक्षित हूं। उन्होंने कहा, हां, यह सच है कि किसी जगह बायो बबल का उल्लंघन किया गया और कुछ खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए लेकिन इसके बावजूद हम भाग्यशाली रहे, इसलिए नहीं कि टीम में सभी के टेस्ट नेगेटिव आए बल्कि हमारा ध्यान भी अच्छे से रखा गया। मुझे चिंता करने की जरूरत नहीं थी। अभी मैं घर जाने की तैयारी कर रहा हूं और परिवार के साथ रहना चाहता हूं। मिलर ने कहा, मेरा परिवार चिंतित था क्योंकि यहां संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे थे। मेरे पास घर वापस आने के लिए मैसेज और फोन आ रहे थे।

गोमती मारिमुथु को लगा झटका, डोपिंग प्रतिबंध के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली ।

भारत की मध्यम दूरी की धाविका गोमती मारिमुथु की 2019 के डोपिंग मामले में 4 साल के निलंबन के खिलाफ अपील को खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने खारिज कर दिया। गोमती (32 साल) का निलंबन 17 मई 2019 से प्रभावी है जो 16 मई 2023 तक जारी रहेगा। गोमती ने एशियाई चैम्पियनशिप 2019 में 800 मीटर में स्वर्ण पदक जीत था लेकिन बाद में उन्हें डोपिंग का दोषी पाया गया। उनके नमूने में प्रतिबंधित 19-नोरांड्रोस्टेरोन पाया गया था जो स्ट्रायड नानड्रोलोन से जुड़ा है। विश्व एथलेटिक्स इकाई ने पिछले साल 26 मई को उनसे स्वर्ण पदक वापस लेते हुए 4 का प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने इस फैसले के खिलाफ सीएएस का दरवाजा खटखटाया था। पंचाट के इकलौते मध्यस्थ, बहरीन के प्रो. जन पॉलसन ने अपने फैसले में गोमती को डोपिंग का दोषी बताते हुए कहा कि पहली बार सुनवाई पैनल ने उन्हें 17 मई, 2019 से 16 मई, 2023 तक चार साल के लिए निलंबित किया था और वह जारी रहेगा। उन्होंने 18 मार्च से 17 मई 2019 के बीच जितने भी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, उसमें उनकी भागीदारी को रद्द कर दिया गया है। एशियाई चैम्पियनशिप 2019 से पहले गोमती के तीन और बार जांच में पॉजिटिव आई थी। उन्हें 18 मार्च 2019 को पटियाला में फेडरेशन कप के दौरान और फिर 13 अप्रैल 2019 को पटियाला में चयन ट्रायल के दौरान भी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का दोषी पाया गया था। 0गोमती ने

अपनी अपील में कहा था कि वह पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित है और इसके साथ ही उन्हें जनवरी 2019 में गर्भपात का सामना करना पड़ा था। इस वजह से उनके नमूने में 19-नोरांड्रोस्टेरोन की मात्रा अधिक हो गई थी। उसने यह भी आरोप लगाया था कि जांच में अनुचित प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया जिसके परिणामस्वरूप परिणाम विश्वसनीय नहीं थे। पंचाट के मध्यस्थ ने उनकी सभी दलीलों को खारिज कर दिया।

सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ सुरक्षित घर पहुंचें : आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने कहा है कि वह यह सुनिर्शि्चित कर रहा है कि टीम के सभी सदस्य सुरक्षित अपने घर पहुंच जाएं। कोरोना वायरस के कारण आईपीएल 2021 को बीच में ही स्थगित कर दिया गया था जिसके बाद टीम के खिलाड़ी अपने घर लौटने के इंतजार में हैं। आरसीबी ने बताया कि सभी घरेलू खिलाड़ी, स्टाफ और मैनेजमेंट को एक जगह ले जाया जाएगा जिसके बाद अहमदाबाद से उन्हें उनके शहरों में भेजा जाएगा। फेंचाइजी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी और स्टाफ मालदीव पहुंचने पर होटल में क्वारेंटीन में रहेंगे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ एसओपी को लेकर संपर्क में रहेंगे। आरसीबी ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी और स्टाफ को विशेष चार्टर में ऑकलैंड भेजा गया है और वह एसओपी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट के संपर्क में रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी मुंबई से जोहानबर्ग के लिए रवाना किए गए हैं। फ्रेंचाइजी ने कहा, हम लगातार इन खिलाड़ियों के संपर्क में रहेंगे जब तकये अपने घर नहीं पहुंच जाते और जरूरत पड़ने पर इनकी सहायता करेंगे।

दुष्कर्म करने वाले युवक को कोर्ट ने २० वर्ष की सजा सुनाई

किशोरी अपने घर से चेवडा लेने के लिए निकली थी, इस दौरान इस लडकी का अपहरण किया गया

सूरत ।

सूरत के अमरोली में रहती १४ वर्ष की किशोरी को शादी की लालच देकर १८ वर्ष का युवक किशोरी का अपहरण करके ले गया। जिसके बाद में किशोरी पर बलात्कार किया गया। इस केस कोर्ट में चले जाने पर कोर्ट ने युवक को २० वर्ष की सजा सुनाई है । इसके साथ कोर्ट ने किशोरी को सात लाख रुपया मुआवजा चुकाने का आदेश दिया गया है । सूरत में लगातार दुष्कर्म की शिकायतें दर्ज होती है। गत तारीख ४ मई, २०२० को अमरोली में स्थित कोसाड निवास में रहती १४ वर्ष की किशोरी को इसके बिल्डिंग में रहते संजय सोलंकी नाम का १८ वर्ष का युवक शादी की लालच देकर अपहरण करके भावनगर में ले गया। किशोरी अपने घर से चेवडा लेने के लिए निकली थी, इस दौरान इसका अपहरण किया गया। अपहरण के बाद युवक ने किशोरी पर बलात्कार किया था । किशोरी देर शाम तक घर वापस नहीं आने पर इसके मां-पिता ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके किशोरी को मुक्त करा लिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के विरूद्ध कार्रवाई करके ज ेल में भेज दिया गया। यह केस सूरत की कोर्ट में जाने से कोर्ट ने आरोपी को २० वर्ष की कड़ी कैद और १२ हजार का जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया । इसके अलावा पीड़िता को ७ लाख का मुआवजा चुकाने का आदेश दिया गया। सत्र न्यायाधीश (पोक्सो) प्रकाशचंद काला की कोर्ट ने फैसले में नोट किया कि, घटना की शिकार बनने वाली बाकी की जिंदगी पर असर पड़ी है। उल्लेखनीय है कि सूरत में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही है तब यह फैसला समाज में एक सबक समान माना जाएगा।

छोटी बच्चियों पर जबरदसी से या फिर प्रेमजाल में फंसाकर इसके साथ दुष्कर्म करने वाले युवक को डर होना यह बहुत ही जरूरी है। उल्लेखनीय है कि सूरत में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही है तब यह फैसला समाज में एक सबक समान माना जाएगा। छोटी बच्चियों पर जबरदसी से या फिर प्रेमजाल में फंसाकर इसके साथ दुष्कर्म करने वाले युवक को डर होना यह बहुत ही ज रूरी है।

बीमा कंपनियों ने 6 माह में बंद की कोरोना कवच पॉलिसी

सूरत।

पिछले साल कोरोना आया तो विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों ने इसे कमाई का अवसर मान लिया और स्पेशल कोविड मेडिक्लेम पॉलिसियां लॉन्च कर दी, लेकिन कम्पनियों का अनुमान गलत निकला और उन्हें प्राप्त प्रीमियम से 150 प्रतिशत से अधिक का भुगतान करना पड़ गया। मात्र 25 प्रतिशत पॉलिसी होल्डर ने ही मेडिकल क्लेम किया था और कंपनियां उससे ही घबरा गईं। कंपनियों ने कोविड पॉलिसी से हाथ खींच लिए। अधिकांश कंपनियों ने स्पेशल कोविड मेडिक्लेम पॉलसी बंद कर दी है। इतना नहीं कंपनियों ने जनरल मेडिक्लेम पॉलिसी का प्रीमियम भी बढ़ा दिया है। पिछले साल सूरत, अहमदाबाद, राजकोट और वडोदरा में 3 लाख 17 हजार कोविड पॉलिसियां जारी की गई थीं, लेकिन अब नाम मात्र की पॉलिसियां हैं। पिछले साल मार्च में जब कोरोना संक्रमण बढने लगा था, तब इंश्योरेंस कंपनियों ने कोरोना के मरीज के इलाज पर होने वाले खर्च के खिलाफ सुरक्षा देने वाली कोरोना कवच मेडिक्लेम पॉलिसी शुरू की थी। इस पॉलिसी के तहत बीमित

व्यक्ति को प्रतिमाह 400 से लेकर 800 रुपए तक के मामूली प्रीमियम पर कोरोना के इलाज की सुरक्षा दी गई। ये पॉलिसियां 6 से 9 माह की अवधि की थीं। इस दौरान कंपनियों ने सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा और राजकोट में 3 लाख 17 हजार पॉलिसियां बेची। इससे कंपनियों को करीब 40 करोड़ रुपए का प्रीमियम मिला और प्रीमियम से करीब डेढ़ गुना यानी 60 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान करना पड़ गया।

म्युकोरमाइकोसिस से २० मरीज ने आंखों की रोशनी गंवाई

सूरत ।

कोरोना के आतंक के बीच मोरबी जिला नई आफत ने दस्तक दी है। गुजरात के कई शहरों में म्युकोरमाइकोसिस की आतंक की संभावना रही है । कोरोना अभी शांत नहीं हुआ है, वहां म्युकोरमाइकोसिस के केस दर्ज हो रहे है। कोरोना बाद जानलेवा साबित हो रहा यह बीमारी अब लोगों की आंखें छीन रहा है। सूरत में २० दिन में म्युकोरमाइकोसिस के १०० केस आये है, इसके साथ ही कुल २० मरीजों ने इसके रोशनी गंवाई है । जिसकी वजह से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। सूरत में कोरोना की गंभीर साइड इफेक्ट देखने को मिली है। सूरत में २० मरीजों ने आंखों की रोशनी गंवाई है । सूरत में २० दिन में म्युकोरमाइकोसिस के १०० केस दर्ज हुए हैं । जिसमें एक मरीज की मौत हुई है। कोरोना में दिया जाता स्टिरोइड से रोग प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाने पर आंख-नाक, दिमाग में कवक होता है।

अब एक मरीज के परिवार ने आंख निकालने से मना करने पर इंफेक्शन दिमाग में फैलने पर इसकी मौत होने का सामने आया है । सूरत शहर के साथ ग्रामीण में भी म्युकोरमाइकोसिस के केस में काफी वृद्धि दर्ज हुई है । ४० वर्ष से ज्यादा उम्र के मरीज या जो पहले से मधुमेह, कैंसर, एचआईवी, ओर्गन ट्रांसप्लांटस न्यूट्रोपेनिया, लंबे समय का कोर्टिकोस्टेरोइड के साथ कीडनी तकलीफ हो उनकी इम्युनिटी कम होने से उनको यह जानलेवा बीमारी हो रही है।

कोरोना से ठीक होने के बाद कई लोग म्युकोरमाइकोसिस बीमारी के शिकार हो रहे है। यह बीमारी के लक्षण में मरीज को सर्दी, कुछ समय के बाद नाक बंद होना, टीका लगाना तथा सप्ताह के बाद नाक में गांठ होने का एहसास होता है।मरीज इलाज के लिए आये तब नाक में गांठ देखने को मिलता है, जिसका सिटी स्केन करना पड़ता है। रिपोर्ट की मदद से यह बीमारी के फैलने की जानकारी मिलती है।

मां तुम घर पर आएगी यानी कि मेरा कोरोना खत्म हो जाएगा

परिवार के सदस्यों को टेस्ट कराने पर बेटी का टेस्ट पॉजिटिव आया, बाद में अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी

सूरत ।

कोरोना महामारी में कई वस्तुएं बदल गई है। जो नहीं बदला है वह है लोगों का स्वभाव, भावना और परिवार के प्रति प्रेम। जो व्यक्ति को प्रत्येक मुश्किल का सामना करने की शक्ति देता है। हमेशा यह कहा जाता है कि मां से बढ़ा कोई योद्धा नहीं होता और यह उक्ति को कई माताओं ने सार्थक करके बताई है । जिसका एक उत्तम उदाहरण है। वलसाड के टयुशन क्लासेस की ३८ वर्षीय शिक्षिका स्वप्रा बहन संदीपभाई सेघावाला वलसाड में ९ वर्षीय बेटी और पति के साथ रहती स्वप्रा बहन ने २४ अप्रैल को टोनसील की समस्या और बुखार मालूम होने पर कोविड-१९ का रैपिड टेस्ट कराने पर पॉजिटिव थे । इसके साथ परिजन के सदस्यों को टेस्ट कराने पर ९ वर्ष की बेटी का टेस्ट भी पॉजिटिव आया।

बाद में अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी । परिवार ने वलसाड में आसपास की अस्पतालों में जांच करने पर ज गह नहीं मिलने पर स्वप्रा बहन को तुरंत सूरत सिविल अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लेकर उन्होंने वलसाड से सूरत एंबुलेंस में लाया गया । ९ वर्ष की बेटी कश्वी को घर में होम आइसोलेशन में रहकर उपचार शुरू कर दिया । सिविल में कोरोना की मुफ्त उपचार लेकर स्वस्थ हुई स्वप्रा बहन ने आगे बताया कि, मुझे २५ अप्रैल से सांस लेने में ज्यादा तकलीफ मालूम होने पर ऑक्सीजन पर लाई गई थी । इसके बाद तबियत में सुधार होने पर ३ मई से नॉर्मल रुम में रखी गई। अस्पताल के डॉक्टरों की लगातार देखरेख, नियमित जांच और समय पर उपचार मिला है । घर से अलग होने पर तब बेटी कश्वी ने कहा कि, मां तुम घर पर आएगी यानी कि मेरा कोरोना खत्म हो जाएगा। इस तरह बेटी के शब्दों की वजह से मन में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार हुआ था । ४ मई को स्वप्रा बहन कोरोना मात देकर घर सुरक्षित पहुंची तब बेटी को १० दिन के बाद मिली तब बेटी को मिलने का आनंद शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सके यह स्वप्रा बहन ने बताया।

इरफान पठान को धमकाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

अहमदाबाद ।

पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त एक व्यक्तिने क्रिकेटर इरफान पठान के साथ अपनी पुत्रवधू के अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है । उसका आरोप है कि पुत्र वधू इरफान की करीबी है तथा इरफान उन्हें तथा उनके पुत्र को धमका रहा है इस परिवार ने पुलिस थाना जाकर आत्महत्या करने की धमकी देते हुए एक वीडियो वायरल किया है। वेजलपुर पुलिस थाना ने सैयद इब्राहिम एवं उनकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

इंटरनेट मीडिया पर सैयद इब्राहिम और उनकी पत्नी ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि क्रिकेटर एवं कॉमेंटेटर इरफान पठान के उनकी पुत्रवधू के साथ अवैध संबंध है तथा वह इस संबंध में किसी तरह का विरोध करने पर देख लेने की धमकी दे रहा है। सैयद इब्राहिम ने बताया कि उनके पुत्र को भी इरफान ने धमकाया है तथा जैसा चल रहा है वैसा ही चलने देने की बात कही है। सैयद का आरोप है कि उनकी पुत्रवधू का परिचय पहले से इसके साथ में है उन दोनों के बीच में गलत संबंध है । सैयद के पुत्र ने बताया कि इरफान व उसकी पत्नी अक्षर वीडियो कॉलिंग करते हैं । जब घूमने जाते है उस दौरान भी अश्लील बातें कर उसे अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पुत्रवधू ने कुछ माह पहले इस परिवार के खिलाफ दहेज का मामला दर्ज कराया था जिसकी जांच चल रही है इसी मामले को कमजोर करने के लिए सैयद इब्राहिम व उसके परिवार वाले अपनी पुत्रवधू के चरित्र खराब होने का आरोप लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस का यह भी कहना है कि उनकी पुत्रवधू इरफान की चचेरी बहन है तथा इरफान ने ही अपनी मर्जी से यह रिश्ता कराया था । इंटरनेट मीडिया पर इरफान को लेकर वायरल वीडियो की पुष्टि एवं आरोप के संदर्भ में जब इरफान की प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल नंबर बंद आ रहा था। खबर लिखे जाने तक इरफान ने अपनी सफाई में कुछ नहीं कहा है तथा पुलिस ने भी इरफान से इस मामले में बात करने का प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका है । अहमदाबाद वेजलपुर थाना पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

पर्याप्त तैयारी-स्टोक के अभाव में राज्य में टीकाकरण को झटका

१८ वर्ष से ज्यादा उम्र वाले को वैक्सीन देने की घोषणा

पर्याप्त मात्रा में टीका का स्टोक नहीं पहुंच रहा जिसकी वजह से टीका लेने के लिए स्लोट तुरंत भर जाता है

अहमदाबाद।

राज्य में १८ वर्ष से ज्यादा उम्र वाले को कोरोना की वैक्सीन दी जाएगी ऐसी घोषणा लेकिन पर्याप्त तैयारी और स्टोक नहीं होने से अधिकतर लोगों को निराश होना पड़ा है । क्योंकि राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में टीका का स्टोक नहीं है पहुंच रहा जिसकी वजह से टीका लेने के लिए स्लोट तुरंत भर जाता है और अधिकतर समय खाली नहीं होता । हालांकि यह अंधाधुंध संचालन की वजह से सबसे ज्यादा बदतर हालत लोगों की हुई है जिन्होंने टीका का पहला डोज लिया है और टीका का प्रभाव बनाये रखने के लिए दूसरा डोज निश्चित समय में लेना होता है फिर भी उनको स्लोट नहीं मिल रहा है । वरिष्ठ सरकारी सूत्रों ने बताया है कि पर्याप्त वैक्सीन नहीं होने की वजह से राज्य में टीकाकरण अभियान को धीरे करना सरकार के लिए अनिवार्य हो रहा है दूसरी तरफ अहमदाबाद में खोखरा अर्बन हेल्थ सेंटर के अधिकारियों का एक विडियो वायरल हुआ था जिसमें वह बता रहे थे कि फिलहाल फ्रंटलाइन वर्कर को अब उनकी वैक्सीन का पहला डोज नहीं देना । हालांकि इस दौरान अहमदाबाद में करीब २१७ टीकाकरण केंद्र पर ३४४०० डोज का उपयोग हुआ था । टीका जब से लगाई गई तब से अनुमानित रोजाना १४००० लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है । इस तरफ सूरत में बुधवार को टीकाकरण के लिए ६६ केंद्रों पर काफी बड़ी कमी देखने को मिली है। सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का माने तो ६६ सेंटर पर ६५२१ लोगों को वैक्सीन दी गई थी।

गुजरात के अहमदाबाद सूरत जैसे बड़े शहरों के साथ करीब सभी जगहों पर टीकाकरण को लेकर स्थिति एक समान है । अधिकतर शहरों में टीका का पर्याप्त स्टोक नहीं होने से लोगों को चक्कर लगाना पड़ता है। हालांकि गुजरात सरकार ने हाल में टीका का नया स्टोक हासिल किया है और उन्होंने अलग-अलग टीकाकरण केंद्रों पर वह भेज दिया है हालांकि यह स्टोक भी आगामी २-३ दिन चले इतना कम है।

सुरक्षित अनुभव करता हूं वहां वापस आया: रवींद्र जाडेजा

खिलाड़ियों का कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद बीसीसीआई द्वारा आईपीएल रद्द कर दिया गया है

राजकोट ।

कई खिलाड़ियों को कोरोना होने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग टी२० क्रिकेट टूर्नामेंट की १४वीं सीजन को बीच में ही छोड़ना पड़ा है । जिसकी वजह से विशेष करके भारतीय खिलाड़ी अपने घर वापस आने लगे है। सौराष्ट्र के स्टार और चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर रवींद्र जाडेजा भी अपने घर वापस आये है। जाडेजा ने बुधवार को ट्वीटर पर विशेष तस्वीरें शेयर की । रवींद्र जाडेजा ने ट्वीटर पर अपने फार्महाउस की घोड़े की तस्वीरा शेयर की और लिखा है कि, जहां मैं अपने आपको सुरक्षित अनुभव करता हूं वह स्थल से वापस आया। उल्लेखनीय है कि जाडेजा को घोड़ा बहुत ही प्रिय है। जबकि समय मिले वह अपने फार्महाउस पर समय बिताते है । गत वर्ष भी लॉकडाउन के दौरान भी जाडेजा ने फार्महाउस में समय बिताया है । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड तथा आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा ४ मई को आईपीएल-२०२१ रद्द करने की घोषणा की थी। लीग में खेल रहे कई खिलाड़ियों को कोरोना होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। खिलाड़ियों को बायो -बबल में होने पर भी उनको कोरोना हुआ है । कोलकाता नाइट राइडर्स के वरूण चक्रवर्ती तथा संदीप वोरियर को कोरोना हुआ था जिसकी वजह से कोलकाता की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के विरूद्ध खेले जाने वाला मैच रद्द की गई थी। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के रिद्धिमान सहा और दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा का कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आया था । चेन्नई सुपर किंग्स के बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी तथा अन्य दो सदस्यों का टेस्ट भी पॉजिटिव आया । आईपीएल-२०२१ में ६० में से २९ मैच खेला गया था। वर्तमान लीग की अंतिम मैच २ को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। हालांकि, विदेशी खिलाड़ियों के लिए मुश्किल पैदा हो गई है क्योंकि यूके, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने हाल में भारत से आती फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है । लीग में अधिकतर खिलाड़ी यह तीन देश के है।

मां मेरे पर बुजुर्गों का आशीर्वाद है कुछ नहीं होगा

देश कोरोना की महामारी के खिलाफ संघर्ष कर रहा है तब मेरे देश के लोगों के दुख दूर करने में मैं पीछे नहीं हटूंगी

सूरत ।

कोरोना के बढ़ रहे आतंक के बीच मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है ऐसे कठिन समय में डॉक्टरों की स्टाफ और नर्सिंग स्टाफ की कमी महसूस हो रही है ऐसे समय में राज्य सरकार ने नर्सिंग कॉलेज के थर्ड इयर में पढ़ाई करते विद्यार्थियों की सेवा लेने का शुरू किया गया है। जानकारी देते हुए नर्सिंग के अधीक्षक सुरेन्द्र त्रिवेदी कहते है कि, कोरोना कठिन समय में सीमित लोगों के बीच सूरत शहर की वनिता विश्राम नर्सिंग कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ाई करते २७ विद्यार्थी स्मीमेर अस्पताल में ६ अप्रैल को सहायक स्टाफ के तौर पर सेवा में जुड़े है । उनको ट्रेनिंग देकर कोविड की ड्यूटी सौंपी गई है। वह उत्साह और उमंग से कार्य कर रहे होने का त्रिवेदी बताते है। स्मीमेर के कोविड वार्ड में ड्यूटी करती २१ वर्ष की युवती नेहाबहन नायका ने बताया कि, शुरूआत में जब कोविड वार्ड में ड्यूटी करने की बात परिजनों ने की तब परिजनों ने कहा कि, हम तुझे मौत के मुख में नहीं जाने देंगे। तब मैं मां-पिता को कहा कि, पूरा देश कोरोना की महामारी के खिलाफ संघर्ष कर रहा है तब मेरे देश के लोगों के दुःख दूर करने में मैं पीछे नहीं हटूंगी। नेहाबहन बताती है कि, शुरूआत में कोरोना का डर लगता था। लेकिन धीरे-धीरे अब डर लगता नहीं है । कॉलेज में हमारे प्रोफेसरों ने हमें मानसिक रूप से तैयार करके प्रोत्साहन दिया है। मरीज भर्ती होते है तब बहुत ही डरे होते है । जिसकी वजह से हम उसे परिजनों का साथ देकर मानसिक सहयोग देते हैं। आपको कुछ नहीं होगा । आप जल्दी स्वस्थ हो जाएंगे । मरीजों को खाना खिलाने से लेकर वेंटिलेटर, बायपेप रखना, मरीज का ऑक्सीजन लेवल चेक करते रहना, डॉक्टरों की सलाह के अनुसार दवाई देना देना जैसे सभी काम का कम समय में काफी ज्यादा अनुभव हो चुका है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)